दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-115 सीहोर, शनिवार 20 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

रामलला का हार और चरण पादुका भी हो गए चोरी, पुजारी समेत कई शक के घेरे में

अयोध्या (ए.)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में SIT की जांच तेज है और अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं. एसआईटी ट्रस्ट से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है तो वहीं मंदिर के कामकाज में लगे लोगों की भी जांच हो रही है. SIT ने गुरुवार को इस मामले में मंदिर में आए चढ़ावे की जांच कर रही है तो वहीं उसकी काउंटिंग और बैंक में जमा करने की प्रक्रिया भी चेक की जा रही है. जांच टीम दानपात्रों से नकदी और सोने चांदी, हीरे जवाहरात के गिनती केंद्रों तक की व्यवस्था को खंगाल रही है. इस बीच जानकारी यह भी मिली है कि रामलला के हार और चरण पादुका भी गायब कर दिए गए हैं. आशंका है कि उनकी भी चोरी हो गई है.इसी को लेकर SIT ने कल एक बार फिर से गोपाल राव और टिन्नू यादव से पूछताछ की है. खबर यह भी है कि राममंदिर के पुजारी से भी हीरा जड़ित हार और चरण पादुका के बारे में पूछा गया है. पुजारी ने बताया कि हार और चरण पादुका भगवान को पहनाने के बाद टिन्नू यादव को वापस कर दिया था. टिन्नू ने कहा कि इन चीजों को गला कर सोने की ईंट बनाने की बात थी. उधर आभूषण रखने वाले कृष्ण देव तिवारी से जब पूछा गया तो न सोने की ईंट मिली ना ही कोई रसीद मिली है. इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल डेटा और संबंधित दस्तावेजों का भी परीक्षण किया जा रहा है.जांच एजेंसियों ने अब तक कई कर्मचारियों, सेवादारों और चढ़ावे की गणना प्रक्रिया से जुड़े लोगों से पूछताछ की है. लोगों का मानना है कि अब तक 5 दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ हो चुकी है।

अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी पर योगी का पहला बयान, कहा- कोई अपराधी बचेगा नहीं

अयोध्या,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में हुए चंदा चोरी के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पहली बार बयान दिया है। उन्होंने वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा के अनावरण और विकास परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहा कि अगर किसी ने राम मंदिर में चोरी की है तो उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, अयोध्या के बारे में समाचारपत्रों में सुनने को मिला है। हम लोगों ने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई है। और मैं कह सकता हूं कि जांच दूध का दूध और पानी का पानी करके रह लेकिन मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि कोई अनर्गल बातें न हो, जो राम भक्तों को आहत करती हो।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अपहृत व्यक्ति को बचाया, नौ उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल, (ए.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अपहृत व्यक्ति को सुरक्षित मुक्त कराया तथा विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े नौ सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है।शुक्रवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के गेट नंबर-1 इलाके से सुरक्षा बलों ने गुरुवार नगामसोम बैते (50) को सुरक्षित बरामद किया। बी. बोंगजांग गांव निवासी बैते का कथित तौर पर पीएसएच के संदिग्ध उग्रवादियों ने अपहरण कर लिया था। बचाव अभियान के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया।इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के विभिन्न स्थानों से केसीपी (एमएफएल) के चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोइरांगथेम तोंडोम्बा सिंह उर्फ टेमे (44), वाहेंगबाम इनाओ सिंह उर्फ जैक (46), नोंगमैथेम डेविड मैतेई (42) और माईबाम लोकेंद्र सिंह (38) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ये उग्रवादी रंगदारी वसूली और अवैध हथियार आपूर्ति के नेटवर्क में शामिल थे। वहीं, मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्व जिले से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया

परीक्षा पे चर्चा पसंद है, पर पेपर लीक पर चुप्पी क्यों?: कन्हैया का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली(आरएनएस)। 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा से पहले, कांग्रेस ने शुक्रवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है. कांग्रेस ने कहा कि सरकार ने शिक्षा को बिजनेस बना दिया है. कांग्रेस ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाने की अपनी मांग को दोहराने के साथ-साथ, पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं कराने के लिए एक नई संस्था बनाने की मांग की है.पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के प्रभारी कन्हैया ने कहा, पेपर लीक को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे, एनटीए (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाना होगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्हें परीक्षा पे चर्चा करना पसंद है, पेपर लीक पर एक शब्द भी नहीं बोलते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का नीट-यूजी परीक्षा से जुड़ी याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 21 जून को होने वाले नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के संबंध में दो अलग-अलग याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया.ये मामले चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहना की पीठ के सामने आए. पीठ ने कहा कि याचिका पर जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी, जो पहले से ही परीक्षा से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है. जब एक वकील ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए उल्लिखित किया, तो सीजेआई ने कहा, नीट के सभी मामले जस्टिस नरसिम्हा की बेंच के सामने जाएंगे।

झारखंड में बिजली गिरने से मची तबाही, 8 लोगों की मौत, 2 महिलाओं समेत 8 साल के बच्चे की भी गई जान

रांची,(आरएनएस)। झारखंड में मानसून के बीच आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है। राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान हुई वज्रपात की घटनाओं में कम से कम आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और एक दो वर्षीय बच्चा भी शामिल हैं, जिससे कई परिवारों में मातम छा गया है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वज्रपात से जुड़ी ये घटनाएं राज्य के छह जिलों में सामने आई हैं। सबसे अधिक प्रभावित हजारीबाग जिला रहा, जहां बिजली गिरने से तीन लोगों की जान चली गई। वहीं पलामू, लोहरदगा, रामगढ़, पश्चिमी सिंहभूम और गोड्डा जिलों में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है।

जूनियर वकीलों को शुरुआती सालों में गुजारे के लिए मिल सकता है भत्ता! सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पैसों की कमी के कारण प्रतिभाशाली युवा वकीलों के वकालत छोड़ने पर चिंता जताई है. कोर्ट ने इस नुकसान को रोकने और संघर्ष कर रहे वकीलों की मदद के लिए एक युवा वकील व्यावसायिक सहायता कोष बनाने की बात कही है. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर इस संबंध में जवाब मांगा है.यह नोटिस उस याचिका पर जारी किया गया है जिसमें युवा वकीलों को अपने शुरुआती सालों में होने वाली वित्तीय दिक्कतों का जिक्र किया गया था. कोर्ट की पीठ ने कहा कि युवा

वकीलों के सामने आने वाली यह वित्तीय चुनौती किसी एक लिंग (महिला या पुरुष) तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सबके लिए है और इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए.सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने महिला वकीलों के सामने आने वाली दिक्कतों पर भी ध्यान दिया. पीठ ने कहा कि जब महिलाओं को अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा कोर्ट परिसर में बिताना पड़ता है तो उनके आराम, प्राइवेसी, सुरक्षा और कामकाज के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं का होना सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है. महिला वकीलों के एक समूह द्वारा दायर की गई इस याचिका में कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की पहुंच, समावेशिता और लंबे समय तक टिके रहने से जुड़े मुद्दों को उठाया गया था.

पीठ ने कहा कि जब पहली पीढ़ी (जिनके परिवार में पहले कोई वकील न हो) का कोई युवा वकील कोर्ट में कदम रखता है, तो उसे तुरंत बना-बनाया ऑफिस, लाइब्रेरी, बंधे-बंधाए क्लाइंट या कमाई का कोई तय जरिया नहीं मिलता।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्यः राजनाथ सिंह

नागपुर,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है। नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी।

सरकार का बड़ा फैसला, एससी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए अब नहीं देना होगा डोमिसाइल प्रमाण पत्र

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को ज्यादा आसान बना दिया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए डोमिसाइल (निवास) प्रमाण पत्र जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।इस फैसले से छात्रों पर दस्तावेजों का बोझ कम होगा और छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करना पहले की तुलना में अधिक सरल हो जाएगा। खास तौर पर उन हजारों छात्रों को इसका लाभ मिलेगा जो अपने गृह राज्य के बाहर स्थित शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं।सरकार के अनुसार, एससी और ओबीसी वर्ग के लिए संचालित प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ छात्रों को लाभ मिलता है। डोमिसाइल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता हटने से आवेदन प्रक्रिया अधिक छात्र-अनुकूल बनेगी, दस्तावेजी औपचारिकताएं घटेंगी और छात्रों का समय और खर्च दोनों बचेंगे।

अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अपनानी होगी कृष्ण नीतिः अमित शाह ने पुलिस को दिया नया मंत्र

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देश भर के पुलिस महानिदेशकों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों से उनके पास मौजूद आपराधिक डेटा को ऐसी खुफिया जानकारी (एक्शनेबल इंटेलिजेंस) में बदलने को कहा, जिस पर तुरंत कार्रवाई की जा सके. उन्होंने कहा कि जानकारी का अपने आप में तब तक कोई खास मोल नहीं है, जब तक कि उससे अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी और उन्हें सजा न दिलाई जा सके.नई दिल्ली में 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शाह ने महाभारत का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा कि महाभारत के महायुद्ध में जानकारी को खुफिया रणनीति में बदलने की भगवान कृष्ण की क्षमता ने ही आखिरकार जीत पक्की करने में मदद की थी।

कोलकाता एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान पर बिजली गिरी, यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को आंधी-तूफान के बीच इंडिगो के एक विमान पर आकाशीय बिजली गिर गई. फ्लाइट अगरतला जाने वाली थी.यह जानकारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने दी. यह घटना क्षेत्र में आंधी-तूफान और बारिश के बीच हुई. हालांकि एयरपोर्ट ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर पहले ही मौसम संबंधी चेतावनी जारी कर चुका था.इस घटना में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ. बताया जाता है कि इंडिगो का विमान 6ई6068 (वीटी-आईपीडब्ल्यू) एयरोब्रिज 56एल पर खड़ा था तभी सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस पर बिजली गिर गई. अधिकारी ने बताया कि बिजली गिरने से विमान की विद्युत प्रणाली प्रभावित हुई, जिससे उसकी बिजली आपूर्ति अचानक बंद हो गई.विमान पर जब बिजली गिरी, उस समय ए320 विमान में 141 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे. एहतियात के तौर पर इंडिगो एयरलाइन ने यात्रियों को विमान से उतार लिया और बाद में उन्हें ए321 विमान से रवाना किया. हादसे की वजह से सुबह 9.20 बजे जाने वाली यह फ्लाइट दोपहर 12.50 बजे रवाना हो सकी.इंडिगो के मुताबिक, इस घटना में दो ग्राउंड स्टाफ मामूली रूप से प्रभावित हुए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. अधिकारी ने बताया कि मेडिकल जांच के बाद उन्हें तत्काल छुट्टी दे दी गई।

शिवसेना कार्यकर्ता निराश नहीं, जोश में हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई, (ए.)। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी से बागी सांसदों के जाने के बाद शिवसेना कार्यकर्ता निराश नहीं, बल्कि जोश में हैं। उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का कभी भी विलय कांग्रेस में नहीं होगा।शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे आज मुंबई के षणमुखानंद सभागृह में पार्टी के साठ साल पूरा होने पर स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उद्धव ठाकरे ने अपना पक्का यकीन जताया है, "एक के बाद एक संकट आए हैं और आते रहेंगे। लेकिन जो शिवसेना कार्यकर्ता संकट से बच गए हैं, वे मेरे साथ हैं, मैं लड़ता रहूंगा।" उद्धव ठाकरे ने अपने हमेशा के अंदाज़ में भाषण शुरू करने के बाद दर्शकों को इमोशनल अंदाज़ में संबोधित किया। "मेरे जमा किए हुए हीरों से भी ज़्यादा कीमती, शिवसैनिक..." उन्होंने कार्यकर्ताओं की तारीफ़ की। विरोधियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "कुछ लोगों ने सोचा होगा कि शिवसैनिक दुख और मुश्किलों की वजह से थक जाएगा। लेकिन शिवसैनिक थका नहीं है, बल्कि वह और जोश से उठ खड़ा हुआ है।" उद्धव ठाकरे ने उन विरोधियों को आड़े हाथों लिया जो शिवसेना के कांग्रेस में मर्ज होने की आलोचना कर रहे थे। उन्होंने कहा, "मुझे लगा था कि हम शिवसेना का कांग्रेस में मर्जर कर देंगे, लेकिन मैं उनसे कहता हूं कि इतने सालों तक भाजपा के साथ रहने के बावजूद, हमने उनके साथ मर्ज नहीं किया।

सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग जाने वाले रूट पर भारी बारिश से टूटा पुल, पहाड़ खिसकने से हाईवे पर फंसे सैकड़ों पर्यटक

मिरीक/सिलीगुड़ी,(आरएनएस)। उत्तर बंगाल की पहाड़ियों में लगातार हो रही बारिश के कारण सिलीगुड़ी-कुर्सियांग-मिरीक रूट पर यातायात बाधित हो गया है. शुक्रवार सुबह तड़के उफनती बालासन नदी ने दुधिया के पास ह्यूम पाइप से बने पुल को बहा दिया. वहीं दूसरी ओर, महानदी के पास भारी भूस्खलन होने से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है, जिससे सिलीगुड़ी और कुर्सियांग के बीच का सीधा सड़क संपर्क टूट गया है।

रात भर हुई भारी बारिश के कारण बालासन नदी का पानी तेजी से बढ़ गया. नदी के तेज बहाव ने दुधिया में बने अस्थायी पुल को पूरी तरह से बहा दिया. इस पुल के टूटने से मिरीक-सिलीगुड़ी सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही रुक गई है. यात्रियों को अब दूसरे रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है. भारी बारिश की वजह से मिट्टी खिसकने और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 110 के कई हिस्से भी टूट गए हैं।

पिछले साल अक्टूबर में भारी बारिश और बालासन नदी के उफनते पानी के कारण इलाके का मुख्य लोहे का पुल क्षतिग्रस्त हो गया था. रास्ते को फिर से चालू करने के लिए, प्रशासन ने कम समय में नदी के ऊपर एक अस्थायी पुल बनाया था, जिससे मिरीक और सिलीगुड़ी के बीच गाड़ियों का आना-जाना शुरू हो सका. हालांकि, हाल ही में हुई इस मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर इस अस्थायी इंतजाम की कमजोरी को सामने ला दिया है।

काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी विवादः सलमान खान की याचिका पर सुनवाई टली, नहीं मिली तत्काल राहत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म अभिनेता सलमान खान की फिल्म काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर तत्काल कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है. जस्टिस मधु जैन की बेंच ने सलमान खान को निर्देश दिया कि वो याचिका की प्रति फिल्म के निर्माता को उपलब्ध कराएं. वहीं, अब इस मामले की अगली सुनवाई 1 जुलाई 2026 को होगी.सुनवाई के दौरान सलमान खान की ओर से पेश वकील निजाम पाशा ने कहा कि फिल्म याचिकाकर्ता की अनुमति के बिना उनके जीवन पर बनाया गया है. उन्होंने कहा कि फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर रिलीज किया जा चुका है. हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज की डेट नहीं बताई गई है. सुनवाई के दौरान फिल्म निर्माता की ओर से कहा गया कि उन्हें याचिका की पूरी प्रति अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है, इसलिए कोई भी अंतरिम आदेश पारित नहीं किया जाए. उसके बाद कोर्ट ने कोई भी अंतरिम आदेश पारित नहीं किया।

डिफेंस मैन्युफेक्क्ररिंग को नई गति देने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में हुआ मंथन

40 से अधिक राष्ट्रीय उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थानों ने साझा किए सुझाव

भोपाल (ए.)। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उप महानिदेशक (स्वदेशीकरण) सुशील कुमार सतपुते ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और शिक्षण संस्थाएं एक साझा मंच पर आकर नवाचार आधारित रक्षा विनिर्माण को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्यों में मजबूत औद्योगिक एवं नवाचार आधारित इको सिस्टम विकसित करना समय की आवश्यकता है और केंद्र व राज्यों के समन्वित प्रयासों से ही देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकेगा। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 20-21 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन आत्मनिर्भरता इन डिफेंस मैन्युफैक्क्ररिंग : प्रमोटिंग स्टेट-लेवल इकोसिस्टम्स की तैयारियों के तहत मध्यप्रदेश शासन द्वारा एमपीआईडीसी मुख्यालय, भोपाल में तीसरे चरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय फ्लैगशिप परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता, स्वदेशीकरण, एमएसएमई, स्टार्टअप, नवाचार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला में देशभर के 40 से अधिक प्रमुख उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं और नीति विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भागीदारी कर अपने सुझाव साझा किए। मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय पहल में इंडिजेनाइजेशन, एमएसएमई, स्टार्टअप एवं इनोवेशन इकोसिस्टम विषय पर सह-नेतृत्व (को-लीड) राज्य की भूमिका निभा रहा है। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य की उद्योग अनुकूल नीतियां, विकसित औद्योगिक आधारभूत संरचना, उपलब्ध संसाधन तथा कुशल मानव संसाधन इसे देश के प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राज्य की भावी रणनीति तय करने के साथ उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तावित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की रूपरेखा, राज्यों की भूमिका तथा मध्यप्रदेश की सह-नेतृत्व जिम्मेदारी पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान बताया गया कि रक्षा उत्पादन विभाग ने राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए सात प्रमुख रणनीतिक विषय निर्धारित किए हैं, जिन पर राज्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। एमपीआईडीसी द्वारा डिफेंस एवं एयरोस्पेस रणनीति वर्ष 2026-30 प्रस्तुत की गई। इसमें राज्य की वर्तमान औद्योगिक स्थिति, छह रणनीतिक स्तंभों तथा 24 प्रमुख पहलों के माध्यम से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश, नवाचार और विनिर्माण को बढ़ावा देने की कार्ययोजना साझा की गई।

आईटीआई, गोविंदपुरा में आयोजित वृहद कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 1203 युवाओं का प्राथमिक चयन

भोपाल,(ए.)। प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन तथा प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, मनीष सिंह आईएएस, संचालक, कौशल विकास बसंत कुर्रे, आईएएस एवं अतिरिक्त संचालक डी. एस. ठाकुर के सहयोग से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में ट्राइडेंट ग्रुप के सहयोग से वृहद कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।रोज़गार मेले में प्रदेश के विभिन्न आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्नातक, 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण युवाओं सहित कुल 1410 अभ्यर्थियों ने सहभागिता की। ट्राइडेंट ग्रुप द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर- इंजीनियरिंग ट्रेडों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवं कौशल मूल्यांकन किया गय । जिसमें 1203 अभ्यर्थियों का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की आगामी चयन प्रक्रिया के उपरांत रोज़गार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। प्लेसमेंट ड्राइव में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, वेल्डर, कोपा, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक व्हीकल, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वायरमैन, प्लम्बर, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग, ड्राफ्ट्समैन (सिविल), ड्रेस मेकिंग तथा स्यूइंग टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न ट्रेडों के अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आदिवासी अधिकारों, भूमि और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार को घेरा

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आदिवासी समाज के अधिकारों, भूमि, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी समुदाय से जुड़े मामलों में गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं, जिन पर सरकार को जवाब देना चाहिए। पत्रकार वार्ता में जीतू पटवारी ने भारत की प्रथम महिला आदिवासी राष्ट्रपति के मध्य प्रदेश प्रवास का स्वागत करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश में आदिवासी भूमि के हस्तांतरण से जुड़े मामलों में व्यापक अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध भूमि हस्तांतरण पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न परियोजनाओं और खनन गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार विस्थापन की समस्या का सामना कर रहे हैं। उनका कहना था कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और आजीविका की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।वन अधिकारों के मुद्दे पर जीतू पटवारी ने कहा कि आदिवासी समुदाय को कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों को पूरी तरह लागू करने की मांग की। शिक्षा और रोजगार के संबंध में उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्रों के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की जानी चाहिए तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के आरक्षित बैकलॉग पदों को शीघ्र भरने की मांग भी की।महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि आदिवासी महिलाओं और युवतियों से जुड़े मामलों पर सरकार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए और सार्वजनिक जीवन में पद की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। इसके अलावा पटवारी ने प्रदेश में तबादलों को लेकर भी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता की मांग की।पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी आदिवासी भूमि, विस्थापन, वन अधिकार, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा और प्रशासनिक अनियमितताओं से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने की पक्षधर है।

संक्षिप्त समाचार

हबीबगंज थाना पुलिस ने शातिर चोर को पकड़ा

भोपाल (आरएनएस)। हबीबगंज थाना पुलिस ने चोरी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 2 लाख रुपए कीमत का चोरी का सामान बरामद किया गया है। इसमें एलईडी टीवी, लैपटॉप, चांदी के जेवर और अन्य सामान शामिल है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी तक पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार शिवाजी नगर निवासी रुचि बेलवंशी 20 जनवरी को परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने छिंदवाड़ा गई थीं। 23 फरवरी को वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। अंदर से एलजी कंपनी की एलईडी टीवी, चांदी की पायल और तांबे का कलश गायब था। मामले में पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया था। वहीं दूसरी घटना में कल्याणी वर्किंग वुमेन हॉस्टल में रहने वाली ऋतु त्रिवेदी के कमरे का ताला तोडक़र चोर लैपटॉप चोरी कर ले गया था। दोनों मामलों की जांच के लिए पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और संदिग्धों की जानकारी जुटाई। मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्ध युवक 5 नंबर वाइन शॉप के पास मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने दोनों चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आर्यन चौहान उर्फ अनिकेत उर्फ डागी (22) निवासी अर्जुन नगर, भोपाल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का एलईडी टीवी, लैपटॉप, चांदी के जेवर सहित करीब 2 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन का इस्तीफा मंजूर, प्रो. विवेक शर्मा को मिला प्रभार

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन का त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। इस संबंध में लोक भवन से शुक्रवार को आदेश जारी किए गए। त्यागपत्र स्वीकृत होने के साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।जनसंपर्क अधिकारी अजय वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 14 की उपधारा (6) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रो. जैन द्वारा 18 जून 2026 को प्रस्तुत त्यागपत्र को मंजूरी प्रदान की। आदेश के अनुसार त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से प्रभावी माना जाएगा।

प्रो. विवेक शर्मा को सौंपी गई जिम्मेदारी

राज्यपाल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में नियमित कुलगुरु की नियुक्ति होने तक प्रबंध संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. विवेक शर्मा कुलगुरु का कार्यभार संभालेंगे। उन्हें अंतरिम व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. शर्मा नए कुलगुरु की नियुक्ति तक विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों, प्रशासनिक निर्णयों और शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करेंगे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित

भोपाल,(निप्र.)। राज्य शासन द्वारा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय एम.ओ.एस.पी.आई एवं राज्य सरकार के मध्य सांख्यिकीय गतिविधियों के प्रभावी समन्वय एवं केंद्रीय क्षेत्रीय अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी के सम्बन्ध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है।समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उप महानिदेशक, भारत सरकार, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) तथा सम्बंधित केंद्रीय मंत्रालयों/राज्य के विभागों/केंद्रीय या राज्य पीएसयू के प्रतिनिधि (एजेंडा अनुसार) सदस्य होंगे। आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, म.प्र को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। राज्य स्तरीय समन्वय समिति का कार्यक्षेत्र एम.ओ.एस.पी.आई और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों तथा राज्य के सांख्यिकी विभाग के बीच नियमित संवाद को सुगम बनाना जिससे प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षणों जैसे एन.एस.एस, ए.एस.एल, आर्थिक जनगणना एएसयूएसई, पीएलएफएस, एचसीईएस अलावा अन्य सांख्यिकी गतिविधियों का योजनाबद्ध क्रियान्वयन किया जा सके।

दो माह में भोपाल मंडल ने 350 करोड़ से अधिक राजस्व किया अर्जित

सर्वाधिक अर्निंग टिकटों की बुकिंग से रुपये 177.39 करोड़ एवं माल परिवहन से रुपये 143.65 करोड़ रही

भोपाल (निप्र)। मण्डल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी तारतम्य में अधिकारियों व पर्यवेक्षक कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करने के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 के अप्रैल एवं मई माह में मण्डल को कुल रुपये 350.30 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इस वित्तीय वर्ष के दो माह अप्रैल एवं मई में आय टिकट चेकिंग के 1.32 लाख मामलें से रुपये 9.53 करोड़ रूपये, 71.07 लाख बुक किये गए यात्री टिकटों से रुपये 177.39 करोड़, अन्य कोचिंग से रुपये 13.34 करोड़, 1.23 मिलियन टन माल परिवहन से रुपये 143.65 करोड़ एवं विविध आय रुपये 15.93 करोड़ शामिल है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि हम टीम भावना से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और आने वाले दिनों में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल मण्डल रेल प्रशासन अपने सम्माननीय रेल उपभोक्ताओं को शिकायत रहित सेवा प्रदान करने के प्रति कृत संकल्प है, साथ ही रेल राजस्व बढ़ाने के लिए सतत प्रयत्नशील है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर के तुलसी नगर में विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम में गज-माला से अभिनंदन किया गया।

डुप्लीकेट चाबी से घर के बाहर से उठा ले गए वाहन

भोपाल (आरएनएस)। तलैया थाना क्षेत्र में गैस एजेंसी संचालक से परिचित व्यक्ति द्वारा कम कीमत में नई कारें बेचने का झांसा देकर 17 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ित को भरोसे में लेकर तीन गाडिय़ां दीं, लेकिन उनके दस्तावेज नहीं दिए। बाद में डुप्लीकेट चाबी से तीनों कारें घर के बाहर से उठा ले गया। रेतघाट तलैया निवासी मुस्तकीम बैग (57) गैस एजेंसी संचालक हैं। उनकी पहचान छावनी निवासी मोहम्मद फैज से थी। पीड़ित के अनुसार फैज का उनके घर आना-जाना था और परिचित होने के कारण उन्होंने उस पर भरोसा किया। बाद में पीड़ित को पता लगा कि आरोपी कार सेल्फ राइड के नाम पर विभिन्न शहरों से लाया था। जिसे उसने अपना बताकर बेचा और रकम हड़प ली। इसी तरह के एक मामले में हाल ही में अरेरा हिल्स पुलिस ने कार्रवाई की और सेल्फ राइड के नाम पर कारें लेकर गिरवी रखने और बेचने वाले गिरोह का पर्दा फाश किया है। आरोप है कि फैज ने पैसों की जरूरत बताते हुए नई कारें कम दाम में बेचने की बात कही। जनवरी से मार्च के बीच उसने मुस्तकीम को थार जीप, एक्सयूवी-300 और स्कॉर्पियो दी। इसके बदले में 17 लाख रुपए ले लिए। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने भरोसा दिलाया था कि तीनों वाहनों के दस्तावेज बाद में एक साथ देगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी दस्तावेज नहीं दिए। इसके बाद 26 अप्रैल की रात करीब 2 बजे फैज और उसके साथियों ने तीनों कारों को मुस्तकीम के घर के बाहर से उठा लिया। मुस्तकीम के मुताबिक तीनों कारों की चाबी उनके पास थी, इसके बावजूद आरोपियों ने डुप्लीकेट चाबी का इस्तेमाल कर वाहन ले गए। पूरा घटनाक्रम उनके घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ है। पीड़ित का कहना है कि तीनों वाहनों की असली चाबी उनके पास थी।

भोपाल मंडल के साथ व्यावसायिक उपक्रम स्थापित करने का सुनहरा अवसर

भोपाल मंडल के 15 अमृत भारत स्टेशनों पर उपलब्ध वाणिज्यिक स्थानों के उपयोग हेतु प्रस्ताव आमंत्रित

भोपाल (निप्र)। प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना के अनुरूप अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भोपाल मंडल के चिन्हित रेलवे स्टेशनों का चरणबद्ध पुनर्विकास किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित, सुगम, आकर्षक एवं बहुआयामी शहरी केंद्र (City Centre) के रूप में विकसित करना है, जिससे वे केवल आवागमन के केंद्र न रहकर व्यापार, पर्यटन, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो सकें। साथ ही, स्थानीय उद्यमिता, रोजगार सृजन एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर ये स्टेशन 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। अमृत भारत योजना के अंतर्गत भोपाल मंडल के नर्मदापुरम एवं शाजापुर स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य पूर्ण होकर माननीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से

लोकार्पण हो चुका है जबकि हरदा, खिरकिया, बनापुरा, इटारसी, साँची, विदिशा, गंजबासौदा, अशोकनगर, गुना, रुठियाई, शिवपुरी, ब्यावरा-राजगढ़ एवं संत हिरदाराम नगर स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकासाधीन हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध वाणिज्यिक स्थानों के प्रभावी उपयोग तथा स्थानीय व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा इच्छुक व्यक्तियों, उद्यमियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्टार्टअप्स, फर्मों एवं संस्थानों से वाणिज्यिक उपयोग हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। रेल प्रशासन ऐसे नवाचारी एवं यात्री-केंद्रित व्यावसायिक प्रस्तावों को प्राप्त करने का इच्छुक है जो स्टेशन परिसरों की उपयोगिता एवं यात्री सुविधा को बढ़ा सकें। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएँ इन स्टेशनों पर उपलब्ध स्थान को ध्यान में रखते हुए ड्राइव-इन सिनेमा, मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स, गेमिंग जोन, बाल मनोरंजन केंद्र, डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर, पर्यटन एवं आतिथ्य सेवाएँ, प्रतीक्षालय/लाउंज, डिजिटल बैंकिंग यूनिट/ई-लॉबी/एटीएम अथवा किसी अन्य नवाचारी एवं व्यवहार्य व्यावसायिक अवधारणा के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। संबंधित शहरों एवं आसपास के क्षेत्रों के उद्यमियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, स्टार्टअप्स तथा संस्थानों से सुझाव एवं वाणिज्यिक उपयोग संबंधी प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु प्रयास किये जा रहे

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा का तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह 12 जुलाई को रविंद्र भवन में

-शिक्षा, सांस्कृतिक, कला, साहित्य, खेल एवं अन्य क्षेत्र में सम्मान

भोपाल (संदीप पंडा)। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी के नेतृत्व में आयोजित होने वाला तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी 12 जुलाई 2026, रविवार को सायं 4:00 बजे हंसध्वनि सभागार, रविंद्र भवन, भोपाल में नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा आयोजित किया जाएगा। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम विगत दो वर्षों से निरंतर सफलता के साथ आयोजित किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में शिक्षा, कला, साहित्य, खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाली अनेक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा चुका है। इस आयोजन को विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यापक सराहना प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 में 258 एवं 2025 में 364 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस वर्ष आयोजित होने वाले समारोह में वर्ष 2025 एवं 2026 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं

की परीक्षाओं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही सांस्कृतिक, कला,साहित्य, खेल एवं कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादाई एवं उपयोगी बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों एवं युवाओं के मार्गदर्शन हेतु अनुभवी वक्ताओं द्वारा कैरियर काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने एवं कैरियर के बेहतर विकल्पों को समझने में सहायता मिल सके। समारोह के दौरान पिछले दो वर्षों में आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रमों की उपलब्धियों एवं यादगार क्षणों को प्रदर्शित करती हुई एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे आगंतुकों को इस पहल की यात्रा और उपलब्धियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा। विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा है कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का अभिनंदन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करने का माध्यम है। उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं नागरिकों से इस आयोजन में सहभागिता का आग्रह किया है मेधावी छात्र / छात्राएं एवं अन्य प्रतिभागी आवेदन फॉर्म 45/45, 45 बंगले से प्राप्त कर सकते हैं, आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 5 जुलाई 2026 हैं। जानकारी हेतु इस नंबर 9893575660 पर संपर्क कर सकते हैं।

नगरीय निकाय कर्मियों की सेवाकाल में असमय मृत्यु पर आश्रितों को मिलेगा 1.25 लाख रुपये तक का अनुग्रह अनुदान

भोपाल,(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रगतिशील सोच और लोककल्याणकारी निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता से आज प्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा कवच मिला है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नगरीय निकायों के सेवकों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के दायरे में आने वाले नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषद के कर्मचारियों की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कर्मचारी के बैण्ड वेतन तथा ग्रेड पे के सम्मिलित योग के छह गुना के बराबर की धनराशि अनुग्रह अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 1,25,000 रुपये (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) होगी। यह कल्याणकारी निर्णय 1 अप्रैल, 2025 और उसके उपरांत घटित होने वाले सभी प्रकरणों पर प्रभावशील होगा। यह निर्णय नगरीय प्रशासन के मैदानी कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

समान नागरिक संहिता पर 22 जून तक दर्ज कराए जा सकते हैं सुझाव

ग्वालियर (ए.)। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति की राय व विचारों का महत्व होता है। इसी भाव के साथ समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में आमजन से सुझाव एवं मत प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जन परामर्श एवं सुझाव पोर्टल शुरू किया गया है। ग्वालियर जिले के नागरिक भी इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार, सुझाव और सुझावात्मक टिप्पणियाँ 22 जून 2026 तक ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी समान नागरिक के संबंध में अपने सुझाव दे सकते हैं।समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव देने के लिए नागरिक अपने मोबाइल से QR कोड स्कैन कर सकते हैं अथवा सीधे पोर्टल https://ucc.mp.gov.in/home पर जाकर अपने विचार दर्ज कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस जन परामर्श प्रक्रिया में भाग लेकर अपने सुझाव एवं मत दर्ज कराएं, जिससे व्यापक जनभावनाओं के अनुरूप प्रभावी एवं समावेशी नीति तैयार की जा सके। समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव दिए जा सकते हैं। इसके लिए विशेष रूप से वेबसाइट ucc.mp.gov.in का विमोचन किया गया है, जिस पर सुझाव देने की प्रक्रिया बहुत सरल है। वेबसाइट के फॉर्म में केवल नाम, लिंग, धर्म, संभाग, जिला, पता और मोबाइल नंबर अंकित करना है। कुल 12 प्रश्नों का उत्तर हाँ या ना में दिया जाना है। मोबाइल ओटीपी से सत्यापित करने से सुझाव जमा हो जाता है।

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक में मेला विकास के संबंध में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष श्रावण मेले का आयोजन किया जायेगा। यह मेला 20 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित किया गया है। ग्वालियर व्यापार मेले के संचालक मंडल की 50वी बैठक शुक्रवार को मेला प्राधिकरण में आयोजित हुई। प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जदौन की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में मेले के विकास के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ग्वालियर मेला प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, मेला सचिव सुनील त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संचालक मंडल की बैठक में मेला परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से राजमाता उद्यान से संस्कृति गार्डन तथा एमआईटीएस वाली रोड तक बाउण्ड्रीवॉल का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया है। इसके साथ ही गोदाम बस्ती के पास वाली भूमि का कॉमर्शियल उपयोग करने के लिये प्रस्ताव तैयार करने एवं एलओआई जारी कर आगामी बैठक में विषय रखने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही मेला आयोजन

ग्वालियर मेला परिसर में लगेगा श्रावण मेला

के दौरान प्रशासनिक भवन तैयार करने का निर्णय भी लिया गया है। मेले के दौरान महिलाओं के लिये पृथक से शौचालय निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही मेला परिसर में 196 नवीन दुकानों के निर्माण कराने के निर्णय का भी अनुमोदन किया गया है। मेला परिसर में स्थित एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर की मरम्मत एवं संधारण का कार्य कराने का भी निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही मेला परिसर में सुबह एवं शाम घूमने आने वाले लोगों के लिये वॉकिंग ट्रैक निर्माण कराने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह ने बैठक में पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए मेला परिसर में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कराने का प्रस्ताव रखा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वृहद वृक्षारोपण हेतु प्रस्ताव तैयार करने की बात कही। मेला परिसर में सौर ऊर्जा विकास के माध्यम से सोलर प्लांट लगाने का निर्णय भी लिया गया।

मेला आयोजन के संबंध में सुझाव लिए

ग्वालियर मेला प्रांगण में व्यापारिक संघ के साथ चर्चा कर आगामी मेले को और व्यवस्थित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में व्यापारी संघ द्वारा मेला अवधि 2 माह रखने, मीना बाजार को व्यवस्थित बनाने, मेला परिसर में महिला शौचालय, मेला अवधि में पार्किंग व्यवस्था बेहतर बनाने, साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिये अपने अमूल्य सुझाव दिए गए। जिस पर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने अपनी सहमति प्रदान की एवं आगामी मेला को भव्य बनाने का आश्वासन दिया।

खंडवा-बड़ौदा हाइवे पर किसानों का चक्का जाम

खरगोन (ए.)। जिले के एनव्हीडीए विभाग द्वारा बिस्टान एवं खरगोन उदवहन सिंचाई परियोजना के पूर्ण होने के बाद भी किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाने के कारण किसानों ने खंडवा बड़ौदा हाइवे पर पानी की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया उल्लेखनीय की एनव्हीडीए विभाग के पिपलई टैंक किसानों की मांग थी कि पिपलाई टैंक से नहर का पानी नदी-नालों में छोड़ा जाए,ताकि पेयजल,सिचाई और पशुओं के लिए पानी की समस्या दूर हो सके। पेयजल संकट और सूखे नदी-नालों से ग्रामीण अंचलों में परेशानी बढ़ती जा रही है। परेशान हाल किसान , पशुपालक ओर ग्रामीण पेयजल योजनाओं और सिंचाई बांध से पानी छोड़े जानी की आस लगाए बैठे है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए झाबुआ में कार्यशाला, कृषकों का हुआ सम्मान

झाबुआ (ए.)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित कृषक सभागृह, झाबुआ में प्राकृतिक कृषि विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती के महत्व, पर्यावरण संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि ग्रामीण जीवन और कृषि हमारी संस्कृति की मूल पहचान हैं। महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ खेती-किसानी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि झाबुआ एक जनजातीय जिला है, जहां की परंपराएं प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने की सीख देती हैं। हमारे पूर्वजों ने हमें जल, जंगल, जमीन और स्वच्छ वातावरण की अमूल्य धरोहर सौंपी है। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक कृषि को पुनः अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का माध्यम है, जिसके लिए सभी को समर्पण और मेहनत के साथ आगे आना होगा। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि किसान सदियों से प्रकृति के संरक्षक रहे हैं। जल, जंगल, जमीन एवं जैव विविधता के संरक्षण में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती कोई नई अवधारणा नहीं है। वर्ष 1960 के दशक में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए उन्नत बीज, रासायनिक उर्वरकों एवं सिंचाई आधारित कृषि को बढ़ावा दिया गया, जिससे देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना। वर्तमान समय की आवश्यकता केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना, सूक्ष्म जीवों का संरक्षण करना तथा स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए प्रभावी कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता के निर्देश

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वच्छता कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण, स्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, नियमित परिवहन एवं वैज्ञानिक तरीके से कचरे के निष्पादन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन कराया जाए तथा जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता बढ़ाई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कचरा संग्रहण वाहनों का नियमित संचालन किया जाए तथा सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों एवं जल स्रोतों के आसपास किसी भी प्रकार का कचरा जमा न होने दिया जाए। उन्होंने ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग करने, कंपोस्ट निर्माण को बढ़ावा देने तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के पृथक संग्रहण एवं निष्पादन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पेयजल व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों के तालाबों एवं जल स्रोतों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। तालाबों के किनारे साफ-सफाई एवं पौधारोपण कार्य कराए जाएं ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ जल स्रोतों की गुणवत्ता भी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू रहे तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान जन प्रतिनिधिगण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ महेश मंडलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया से बचाव

उज्जैन,(ए.)। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू, मलेरिया होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते है और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू, मलेरिया के बचाव व नियंत्रण के लिए अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि मच्छर जनित रोगों का बचाव एवं नियंत्रण आमजन के सहयोग से आसानी से किया जा सकता है। अनेक स्थानों पर जल जमाव होने के कारण घरों में छोटे कंटेनर, टंकियों इत्यादि में एक सप्ताह से अधिक जल संग्रह करने की प्रवृत्ति के कारण डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे रोग फैलाने करने वाले एडीज मच्छर का प्रजनन शुरू हो जाता है तथा नियमित साफ सफाई न होने के कारण इन मच्छरों के लार्वा उत्पत्ति का स्त्रोत बन जाते है। इन बीमारियों का प्रकोप अत्यधिक रहता है। ठंड देकर बुखार आना, पसीना देकर बुखार उतरना, कपकपी आना, जी मचलाना, सिर दर्द, उल्टी इत्यादि मलेरिया व डेंगू के लक्षण है।

शासकीय भूमि पर बिना अनुमति स्थापित अवैध प्रतिमा को हटाकर अभिरक्षा में लिया गया

प्रशासन एवं पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

शिवपुरी (ए.)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार तहसील कोलारस के ग्राम अनंतपुर में शासकीय भूमि पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने के मामले में प्रशासन एवं पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से स्थापित प्रतिमा को हटाकर शासकीय अभिरक्षा में ले लिया गया है। साथ ही मामले में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। आम निस्तार की शासकीय भूमि पर किया गया था अतिक्रमण का प्रयासग्राम अनंतपुर में कुछ व्यक्तियों द्वारा गतदिवस देर रात बिना सक्षम अनुमति के ग्राम की आम निस्तार हेतु आरक्षित शासकीय भूमि पर प्रतिमा स्थापित कर दी गई थी। उक्त भूमि सार्वजनिक उपयोग की महत्वपूर्ण शासकीय भूमि है। कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्व में भी इसी भूमि पर प्रतिमा रखकर अतिक्रमण का प्रयास किया गया था, जिसे तत्काल हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई थी।कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द प्रभावित करने का प्रयासएसडीएम कोलारस ने बताया कि इस प्रकार की घटना से क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हो गई। सर्वोच्च न्यायालय के युनियन ऑफ इंडिया वर्सेस स्टेट ऑफ गुजरात एण्ड अदर स्टेट में पारित आदेश में उल्लेख है कि 18 जनवरी 2013 के बाद शासकीय भूमि या महत्वपूर्ण कीमती भूमि पर रखी गई प्रतिमा को अवैध माना जाएगा, जब तक कि विधि अनुरूप अनुज्ञा न ली गई हो।दोषियों के विरुद्ध की जा रही वैधानिक कार्रवाईमामले की जानकारी मिलते ही तत्काल कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने कार्यवाही के निर्देश दिए।

व्यापार समाचार

मेटा कुणाल शाह के क्रेड में कर सकती है निवेश

नईदिल्ली (ए.)। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा भारतीय फिनटेक स्टार्टअप क्रेड में निवेश करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों कंपनियों के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। प्रस्तावित डील में क्रेड की वैल्यू करीब 4 अरब डॉलर (लगभग 380 अरब रुपये) आंकी गई है। बताया जा रहा है कि मेटा कंपनी में करोड़ों डॉलर का निवेश कर सकती है। हालांकि, इस संभावित समझौते को लेकर अभी किसी भी पक्ष ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मेटा केवल निवेश ही नहीं, बल्कि दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रही है। इनमें कम वैल्यूएशन पर क्रेड का अधिग्रहण करने और कंपनी के संस्थापक कुणाल शाह को किसी संचालन भूमिका में शामिल करने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेड को नए पूंजी निवेश की जरूरत है और मेटा ने कंपनी को समर्थन देने की इच्छा दिखाई है। हालांकि, अंतिम रूप से कौन सा रास्ता चुना जाएगा, यह अभी साफ नहीं है।

मेटा की क्रेड में दिलचस्पी के पीछे भारत के डिजिटल पेमेंट बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की रणनीति को अहम माना जा रहा है। मेटा पहले से व्हाट्सऐप पे के जरिए इस क्षेत्र में मौजूद है, लेकिन वह बड़ी हिस्सेदारी हासिल नहीं कर पाई है। भारत का यूपीआई नेटवर्क हर महीने करीब 23 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है। इसके बावजूद व्हाट्सऐप पे, क्रेड और दूसरे छोटे खिलाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी अभी भी 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है।

2018 में शुरू हुई क्रेड बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले ग्राहकों पर फोकस करती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 2,735 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो एक साल पहले की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इसी दौरान परिचालन घाटा 51 प्रतिशत घटकर 298 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के मासिक लेनदेन करने वाले यूजर बढ़कर 1.26 करोड़ हो गए, जबकि प्लेटफॉर्म पर कुल भुगतान मूल्य 23 प्रतिशत बढ़कर 8.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

एक्सेंचर की किस चेतावनी से बाजार में मचा हड़कंप? निवेशकों के 2 लाख करोड़ रुपये डूबे

नईदिल्ली(ए.)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। बाजार खुलने के कुछ ही मिनटों में निवेशकों की करीब 2 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति घट गई। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 477 लाख करोड़ रुपये से घटकर 475 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। आईटी शेयरों में आई इस तेज गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक टेक कंपनी एक्सेंचर का कमजोर आउटलुक को लेकर जताई गई चिंता रही।

आईटी शेयरों में गिरावट की शुरुआत एक्सेंचर के नए अनुमान के बाद हुई। कंपनी ने पूरे साल के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान की ऊपरी सीमा को 5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, चौथी तिमाही के लिए भी उम्मीद से कम राजस्व का अनुमान दिया गया। कंपनी ने कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव का उसके कारोबार पर असर पड़ा है और आने वाले समय में भी इसका दबाव बना रह सकता है। एक्सेंचर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दुनियाभर में उत्साह बढ़ा है, लेकिन कंपनियां खर्च बढ़ाने से बच रही हैं। ग्राहक नए बजट जारी करने के बजाय अपने मौजूदा खर्च को ही एआई प्रोजेक्ट्स में लगा रहे हैं। कंपनी की आउटसोर्सिंग बुकिंग में भी सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे निवेशकों को आशंका हुई कि भारतीय आईटी कंपनियों को भी आने वाली तिमाहियों में कमजोर मांग और धीमी वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है।

बिकवाली के दबाव में खुला शेयर बाजार, आईटी कंपनियों के शेयरों में मंदी से सेंसेक्स 786 अंक डूबा

मुंबई(ए.)। वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी दिग्गज एक्सेंचर द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान में कटौती करने के बाद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई. इस नकारात्मक खबर से आईटी कंपनियों के शेयरों में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिससे पिछले पांच सत्रों से जारी बाजार की तेजी पर विराम लग गया।

सुबह के शुरुआती कारोबार में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 786.58 अंक या 1.02 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 76,624.90 के स्तर पर आ गया. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 210.95 अंक टूटकर 23,959.80 पर आ गया, जिससे यह 24,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया. बाजार की इस अचानक आई गिरावट के कारण निवेशकों की संपत्ति में लगभग 3 लाख करोड़ की कमी आई है।

इस गिरावट की मुख्य धुरी बीएसई आईटी इंडेक्स रहा, जो शुरुआती सत्र में 5.38 प्रतिशत तक लुढ़क गया. एक्सेंचर के कमजोर दृष्टिकोण के कारण रातभर में अमेरिकी बाजारों में भारतीय आईटी कंपनियों के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा.आईटी सेक्टर के अलावा, बैंकिंग और कमोडिटी क्षेत्र के दिग्गजों जैसे एचडीएफसी बैंक और टाटा स्टील में भी मुनाफावसूली का दबाव देखा गया, जिसने सूचकांकों को और नीचे धकेल दिया।

मुकेश अंबानी का ऐलानः आज सेबी में जिओ आईपीओ के डॉक्यूमेंट्स फाइल होंगे, भारतीय बाजार में नया अध्याय

मुम्बई (ए.)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने घोषणा की है कि जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने IPO डॉक्यूमेंट को मंज़ूरी दे दी है और इसे आज, 19 जून को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) के पास फाइल किया जाएगा। कंपनी की 49वीं A G M में अंबानी ने कहा कि रिलायंस बोर्ड ने Jio IPO को मंज़ूरी दे दी है। आज ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (D R H P) फ़ाइल किया जाएगा। ईशा अंबानी, आनंद अंबानी और आकाश अंबानी इस प्रोजेक्ट को लीड करेंगे। Jio Platforms Ltd को लिस्ट करने की योजना पर कुछ समय से काम चल रहा था। लगभग दो दशकों में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ की ओर से यह पहली लिस्टिंग है। शुक्रवार को रिलायंस के इवेंट में अंबानी ने कहा कि Jio की लिस्टिंग दुनिया को दिखाएगी कि भारत ग्लोबल स्तर, क्षमता और वैल्यू वाली टेक्नोलॉजी कंपनियाँ बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को भरोसा दिलाता हूँ कि Jio का भविष्य उज्ज्वल है। आसान शब्दों में कहें तो, IPO या इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग तब होता है जब कोई कंपनी अपने शेयर या मालिकाना हक बेचने का फ़ैसला करती है। अगर लोगों को लगता है कि कंपनी आगे चलकर बढ़ेगी और उसकी वैल्यू बढ़ेगी, तो वे स्टॉक एक्सचेंज के ज़रिए ये शेयर खरीद सकते हैं। कोई कंपनी पैसे जुटाने और पब्लिकली ट्रेडेड कंपनी बनने के लिए IPO लाती है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जियो प्लेटफ़ॉर्म्स के बोर्ड ने 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ (270 मिलियन) नए शेयर जारी करने को मंज़ूरी दे दी है। इस साल की शुरुआत में, सरकार ने नियमों में बदलाव किया ताकि 5 ट्रिलियन (लगभग 54 बिलियन) से ज़्यादा की पोस्ट-इश्यू वैल्यूएशन वाली कंपनियाँ कम से कम 2.5% इक्विटी बेचकर लिस्ट हो सकें। यह बड़ी कंपनियों (मेगा-कैप कंपनियों) के लिए पहले की 5% की न्यूनतम ज़रूरत से काफी कम था और आम 25% फ्री-फ्लोट नियम से भी बहुत कम था। इसके बाद ही जियो के IPO लाने की योजना की खबरों ने ज़ोर पकड़ा।

ऑल टाइम हाई से 46,000 रुपए टूटा गोल्ड, चांदी भी एक ही झटके में 22,000 रुपए हुई सस्ती

नई दिल्ली (ए.)। शादियों के सीजन और सोने-चांदी में निवेश की प्लानिंग कर रहे लोगों के लिए एक बहुत बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय कमोडिटी मार्केट (MCX) में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। इस बड़ी गिरावट के बाद अब सोना अपने ऑल टाइम हाई (All Time High) के रिकॉर्ड स्तर से करीब 46 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। शुक्रवार को बाजार खुलते ही सोने में 2 फीसदी से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई और M C X पर इसका भाव गिरकर 1,45,710 रुपये के निचले स्तर तक पहुंच गया। शाम 5 बजे के करीब यह 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 1,46,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था, जो कि इसी साल जनवरी में दर्ज किए गए 1.91 लाख रुपये के उच्चतम स्तर से बेहद कम है।

अमेरिकी फेड रिजर्व के एक फैसले से धड़ाम हुआ बाजार

ग्लोबल और घरेलू बाजार में सोने के इस तरह अचानक टूटने के पीछे मुख्य वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कड़े रुख को माना जा रहा है। फेडरल रिजर्व ने अपनी होल्डिंग बैठक में ब्याज दरों को फिलहाल स्थिर रखने का फैसला किया है, लेकिन साथ ही यह कड़े संकेत भी दिए हैं कि इस साल ब्याज दरों में एक बार फिर बढ़ोतरी की जा सकती है। अमेरिकी

फेड के इस आक्रामक रुख और बढ़ती महंगाई के खतरे के चलते ग्लोबल शेयर मार्केट के साथ-साथ सोने और चांदी पर बिकवाली का भारी दबाव बन गया, जिससे इसकी कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है।

महज दो दिन में सोना 7000 तो चांदी 22,000 हुई सस्ती

इस गिरावट ने उन खरीदारों को सबसे बड़ी राहत दी है, जो लंबे समय से सोने के सस्ते होने का इंतजार कर रहे थे। पिछले दो ही दिनों के भीतर सोने की कीमतों में 7 हजार रुपये से ज्यादा की कमी आई है। सिर्फ सोना ही नहीं, चांदी खरीदने वालों की भी चांदी हो गई है। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में एक ही झटके में करीब 9,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई, जबकि इससे एक दिन पहले गुरुवार को चांदी 13,000 रुपये टूटी थी। यानी महज दो दिनों में चांदी 22,000 रुपये से ज्यादा सस्ती हो चुकी है। फिलहाल M C X पर चांदी का भाव फिसलकर 2,31,600 रुपये प्रति किलो के स्तर पर आ गया है, जो इसी साल की शुरुआत में 4.21 लाख रुपये प्रति किलो के अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

जानकारों की रायः खरीदारी का उत्तम समय, लेकिन बरतें ये सावधानी

बाजार विश्लेषकों और एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने और चांदी की कीमतों में आई यह भारी गिरावट उन लोगों के लिए एक बंपर ऑफर की तरह है, जो लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं या घर में शादी-ब्याह के लिए आभूषण खरीदना चाहते हैं। हालांकि, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स (कम समय के लिए दांव लगाने वाले) को थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि फेड रिजर्व के फैसलों के चलते आने वाले दिनों में बाजार में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस समय निवेशकों को एकमुश्त मोटी रकम फंसाने के बजाय किश्तों में (SIP के जरिए) धीरे-धीरे खरीदारी करने की रणनीति अपनानी चाहिए ताकि वे इस मंदी का पूरा फायदा उठा सकें।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मानवीय त्रासदी की आखिर चिंता किसे

बड़े पर्यटन स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में हुए अग्निकांड ने राष्ट्रीय राजधानी में आम प्रशासन के ध्वस्त हो चुके सिस्टम की पोल खोली है। इस दर्दनाक घटना में 21 लोगों की जान गई, जिनमें दर्जन भर विदेशी हैं। दिल्ली में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) स्कीम के तहत आवासीय इलाकों में मकानों को होटल की तरह चलाने की छूट मिली हुई है। मगर, इसके लिए नियम और शर्तें तय हैं। बुधवार को हुए हादसे ने बताया कि इन नियम- शर्तों की किस धड़ल्ले से और कितना बेखौफ होकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिस बीएंडबी होटल में आग लगी, उसे छह कमरे देने की इजाजत थी, मगर वहां 26 कमरों में आगंतुक रखे जा रहे थे।

फायर संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत उसके मालिक नहीं समझी थी! और अब यह साफ है कि दिल्ली सरकार या एमसीडी के अधिकारियों ने निगरानी या औचक निरीक्षण की या तो जरूरत नहीं समझी, या फिर उनकी मिलीभगत से यह गोरखधंधा चल रहा था। अब मीडिया रिपोर्टों से यह भी साफ है कि उस इलाके में ऐसे अपने होटल चल रहे हैं। और उसी इलाके में क्यों, जब वहां ऐसा हो रहा है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा राष्ट्रीय राजधानी के अन्य इलाकों में भी चल रहा होगा! अग्निकांड का शिकार हुआ होटल एक बड़े प्राइवेट अस्पताल के पास है। उस अस्पताल में इलाज कराने आए लोगों के परिजन आस-पास के ऐसे ठिकानों पर ठहरते हैं।

भारत- खासकर दिल्ली कथित मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख स्थल है, जहां मध्य, पश्चिम एवं दक्षिण एशिया, अफ्रीका और कुछ यूरोपीय देशों के मरीज भी इलाज कराने आते हैं। इस हादसे की खबर उन देशों में कैसा माहौल बनाएगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। अभद्रता, महिलाओं से दुर्व्यवहार, गंदगी और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यटन उद्योग के बड़े स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि मरीज या उनके परिजनों के लिए यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है। मगर अपने यहां मानवीय त्रासदी और उनके दूरगामी परिणामों की आखिर चिंता किसे है!

सांसदों का लगातार दल बदलना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही नहीं

-सौरभ वार्ष्णेय

सांसदों का लगातार दल बदलना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता। मतदाता किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि अक्सर पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को ध्यान में रखकर वोट देता है। इसलिए जनादेश का सम्मान करते हुए राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों दोनों को अपने आचरण में अधिक जवाबदेही दिखानी होगी। यही लोकतांत्रिक मर्यादा की मांग है। भारतीय राजनीति में दल-बदल और राजनीतिक पुनर्संरेखण कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब किसी दल के सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ने लगें तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं, बल्कि नेतृत्व और राजनीतिक दिशा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद उसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सांसदों के विद्रोह और अब शिवसेना (उद्धव गुट) के कई सांसदों के संभावित पलायन की खबरों ने विपक्षी राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पहले ही 2022 के विभाजन के बाद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। अब ऑपरेशन टाइगर के तहत सात सांसदों के शिंदे गुट में जाने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व इन खबरों का खंडन कर रहा है, लेकिन जिस प्रकार उद्धव ठाकरे को अपने सांसदों और विधायकों की बैठक बुलानी पड़ी, उससे संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरी ओर, टीएमसी में भी बड़ी टूट की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के अनुसार पार्टी के कई सांसदों ने अलग राजनीतिक रास्ता चुनने की कोशिश की है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती मिली है। इन घटनाओं के

राजनीतिक मायने दूरगामी हैं। पहला, यह विपक्षी दलों में नेतृत्व के प्रति बढ़ती असंतुष्टि को दर्शाता है। दूसरा, इससे सत्तापक्ष की राजनीतिक शक्ति और मजबूत हो सकती है क्योंकि विपक्ष का संख्याबल और मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं। तीसरा, इससे मतदाताओं के बीच यह संदेश जाता है कि कई क्षेत्रीय दल वैचारिक प्रतिबद्धता की बजाय राजनीतिक अवसरवाद के दौर से गुजर रहे हैं।

लोकतंत्र में दल-बदल विरोधी कानून मौजूद है, लेकिन राजनीतिक दल अक्सर उसके कानूनी प्रावधानों के भीतर रहकर नए समीकरण बना लेते हैं। यही कारण है कि सांसदों और विधायकों के समूहगत स्थानांतरण का सिलसिला रुकता नहीं दिखता। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह केवल कुछ नेताओं की महत्वाकांक्षा का परिणाम है या फिर विपक्षी दलों के भीतर गहरे संगठनात्मक संकट का संकेत? यदि टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियां अपने जनप्रतिनिधियों को साथ रखने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, तो उन्हें आत्ममंथन करना होगा। केवल भाजपा या एनडीए पर आरोप लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा; दलों को अपने संगठन, नेतृत्व शैली और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद को मजबूत करना होगा।

आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? यह सोचने वाला प्रश्न है? आज सत्ता की मलाई के लिए जिस दल से चुनाव लड़ा बरसो जिससे पहचान बनी आज उसी दल के लिए बेवफा होना समझ से परे नहीं। अगर दल समझ नहीं आ रहा तो अपने पद से इस्तीफा देकर जिस दल में जाना चाहते हैं उससे चुनाव लडऩा चाहिए। लेकिन आज जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सांसदों का अपनी तरफ सत्ता पक्ष इसलिए कर रहा है कि उसे मानसून सत्र में संसद बिल पास कराने हैं। चलो मान लिया कि सत्ता पक्ष ऐसा कर रहा है तो क्या दल की विश्वनीयता पर तो प्रश्न चिन्ह नहीं लगना चाहिए। खैर देखना होगा कि अभी कितने दलों के सांसदों का मन मलाई के पसीज रहा है।

राम का नाम बदनाम ना करो

- विनोद कुमार सिंह

'राम मंदिर,आस्था,प्रबंधन और जवाबदेही के बीच उठते सवाल -राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है। यहाँ मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा, चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं, तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे-सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है। ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना। यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।

फाइबर अर्थव्यवस्थाः भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

स्थानीय प्रचुरता से सतत सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में वैश्विक नेतृत्व तक

गिरिराज सिंह

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। बुनी हुई हवा कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक — फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है।

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाज़ारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक — यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोज़िट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं।

बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026 27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए - पर आधारित है ।

इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर 20 C तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10% हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5 2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है।

केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाज़ार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ, बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं।

इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग्गकजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिज़ाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया।

इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं। शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है—जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है - ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें। इसके लाभ पूरी मूल्य श्रृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है।

डिजिटल लॉकर में भविष्य,क्रेडिट बैंक में जमा होगी पढ़ाई

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में केंद्र की बड़ी सौगात

विष्णु प्रसाद वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत छत्तीसगढ़ को मिली सबसे बड़ी सौगातों में से एक—एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) और डिजीलॉकर एकीकरण योजना ने राज्य के उच्च शिक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से सत्र 2023-24 से अनिवार्य रूप से लागू हुई यह योजना वर्ष 2026 में पूरी तरह परिपक्व हो चुकी है। अब राज्य का हर छात्र अपनी जेब में डिजिटल यूनिवर्सिटी लेकर घूम रहा है।

क्या है यह क्रेडिट बैंक और कैसे बदलेगी जिंदगी?

कल्पना कीजिए एक ऐसे बैंक की, जहाँ पैसा नहीं बल्कि आपकी पढ़ाई और कॉलेज के क्रेडिट (अंक) जमा होते हैं। यदि किसी वजह से आपकी पढ़ाई बीच में छूट जाए, तो यह बैंक आपकी मेहनत को बेकार नहीं जाने देता।

मान लीजिए बस्तर के किसी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र को पारिवारिक कारणों से सेकंड ईयर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। पहले की व्यवस्था में उसकी दो साल की पढ़ाई जीरो मान ली जाती थी। अब पहले दो वर्षों में छात्र ने जो भी अंक या क्रेडिट कमाए हैं, वे उसकी एबीसी आईडी के जरिए डिजिटल बैंक में सुरक्षित रहेंगे। दो या तीन साल बाद जब वह दोबारा पढ़ना चाहेगा, तो वह रायपुर, बिलासपुर या देश के किसी भी अन्य विश्वविद्यालय में सीधे थर्ड ईयर में प्रवेश ले सकेगा। इसे ही मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट कहा गया है।

मेष राशि-आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपका बड़ा कार्य पूरा हो सकता है। आज आप नई व्यापारिक योजना बनाने में कामयाब होंगे। घर में मांगलिक कार्य होने की संभावना बन रही है।

वृष राशि-आपका दिन आनंद से भरपूर रहेगा। आज परिवार में आपके किए गए कार्यों की प्रशंसा होगी। आपके अपनों का पूरा साथ मिलेगा। आप मित्रों के साथ आज कहीं घूमने जा सकते हैं। आज के दिन आप घर परिवार के लिए कुछ खर्चे भी करेंगे। कारोबार में स्थिति सामान्य रहेगी।

मिथुन राशि-आज आप का दिन खुशहाल रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत की कला लोगों को प्रभावित करेगी। प्रगति के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन आप भाग्य के भरोसे न बैठकर परिश्रम करें। आज परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। पारिवारिक मामलों में आपसी समझदारी से बात बनेगी।

कर्क राशि- आज आपके लिए दिन लकी रहेगा। आज आप किसी नये काम की शुरूआत कर सकते हैं। आपकी आर्थिक दशा में सकारात्मक बदलाव आएगा। आप अपने बिजनेस को नया आयाम दे पायेंगे बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आय के साधन बनेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा परीक्षार्थियों में प्रतियोगी परीक्षा को लेकर उत्साह बना रहेगा।

सिंह राशि- आज आपके दिन का बेहतर शुरुआत होगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों पर आज अचानक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आ सकती है, जिसे पूरा करने में सफल होंगे। आपको उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जिससे आपको लाभ मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आप अपने कारोबार में नये मुकाम हासिल करेंगे। आपके आय में वृद्धि होने के योग हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप अपनी चतुर कार्यशैली से अपने हर कार्य को पूरा कर अपनी अलग पहचान बनाएंगे। आपका दांपत्य जीवन सुखी रहेगा।

तुला राशि- आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला दिन रहेगा। आज आप अपने बिजनेस की ग्रोथ के लिए योजनाएं बनाएंगे। जिससे आगे चलकर आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके घर में मांगलिक कार्य हो सकता हैं। मित्रों से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आपको कई साधनों से धन लाभ के योग हैं। सोच-समझकर किसी पर विश्वास करें।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी फैमिली लाइफ बेहतर रहेगी। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आज आप किसी नये प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते हैं। आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके बिजनेस में तेजी आएगी। आप धार्मिक कार्यों में काफी खर्च करेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने का योग है।

धनु राशि- आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ने का मौका मिलेगा जिसकी बहुत दिनों से आपको प्रतीक्षा थी। नौकरी में आपका ओहदा बढ़ेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आमदनी बढ़ने की अच्छी संभावना है। अधिक एक्साइटमेंट से काम बिगड़ सकता है। पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक तौर पर अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी। आपके आय के साधन बढ़ने के योग हैं। इस दौरान आप पारिवारिक समारोहों पर काफी खर्च करेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा कहीं से धन लाभ के योग हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपके पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। आप एक अच्छे वातावरण का लाभ उठा पायेंगे। आपके रोजगार के साधनों में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको नौकरी में अचानक लाभ की स्थिति बनेगी। आपकी मेहनत सफल होगी। आपके बच्चों को परीक्षा का बेहतर परिणाम हासिल होंगे। संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है।

प्रकृति के पुनर्जन्म का भारत मॉडलः एक नई सभ्यता की शुरुआत

[संसद से ज्यादा खेतों में लिखा जा रहा है सभ्यता का भविष्य]
[मिट्टी, मन और मिशनः भारत की वह हरित कहानी जो दुनिया पढ़ रही है]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सभ्यताओं का भविष्य केवल संसदों में नहीं, खेतों की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और जलस्रोतों की जीवनधारा में भी लिखा जाता है। ऐसे समय में जब दुनिया भूमि क्षरण, सूखे और मरुस्थलीकरण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, भारत ने आशा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश ने 21.76 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्जीवित किया है, जो 'बॉन चैलेंज' के 26 मिलियन हेक्टेयर लक्ष्य का लगभग 84 प्रतिशत है। यह केवल भूमि बहाली का आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय दृष्टि का प्रमाण है जिसने विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री माना। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जलवायु नेतृत्व संपन्नता से नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से हासिल होता है।संकल्प और संवेदनशीलता के साथ यह यात्रा वर्ष 2015 में शुरू हुई, जब भारत ने 'बॉन चैलेंज' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रारंभ में लक्ष्य 2020 तक 13 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक अतिरिक्त 8 मिलियन हेक्टेयर भूमि बहाली का था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में यूएनसीसीडी के 14वें पक्षकार सम्मेलन के दौरान बढ़ाकर 26 मिलियन हेक्टेयर कर दिया गया। 17 जून 2026 को विश्व मरुस्थलीकरण विरोधी दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी दूसरी प्रगति रिपोर्ट ने इस प्रगति को वैश्विक मंच पर रखा। रिपोर्ट में तेलंगाना को सर्वाधिक भूमि पुनर्स्थापन करने वाला राज्य बताया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। इन राज्यों ने वनरोपण, जल संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्राकृतिक पुनरुत्थान से अनुपयोगी भूमि को फिर से जीवन दिया।किसी भी पर्यावरणीय कार्यक्रम की सफलता तभी है जब उसका असर सीधे जनजीवन तक पहुंचे। भारत की भूमि बहाली यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसने हरियाली के साथ आजीविका भी पैदा की। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1.22 अरब व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए। ग्रामीण युवा, महिलाएं और सीमांत किसान इसके प्रमुख लाभार्थी बने। जहां कभी बंजर भूमि बेरोजगारी, पलायन और निराशा का प्रतीक थी, वहां आज हरे खेत, फलदार बाग और पशुधन के लिए चारा दिखाई देता है। इस पहल ने मिट्टी को उपजाऊ बनाया, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी, गरीबी घटाई और गांवों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन का ऐसा मॉडल है, जिसकी प्रासंगिकता लंबे समय तक रहेगी।इस उपलब्धि का पर्यावरणीय प्रभाव दीर्घकालिक है। स्वस्थ भूमि केवल फसल नहीं उगाती, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। पुनर्स्थापित भूमि कार्बन अवशोषण बढ़ाती है, मिट्टी की उर्वरता लौटाती है और जल चक्र को संतुलित करती है। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं की तीव्रता कम होती है। जैव विविधता को नया आवास मिलता है और पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी और कम खर्चीला उपाय स्वस्थ भूमि है। भारत ने इस सत्य को व्यवहार में बदलकर दिखाया है, इसलिए वैश्विक भूमि बहाली विमर्श में उसकी भूमिका अग्रिम पंक्ति में है।दुनिया के सामने 'बॉन चैलेंज' का लक्ष्य 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापन का है। इस वैश्विक अभियान में भारत का योगदान प्रेरक और नेतृत्वकारी दोनों माना जा रहा है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब कई विकसित देश अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन साधने में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास और प्रकृति संरक्षण अलग राहें नहीं, बल्कि साथ-साथ चलने वाली प्रक्रिया हैं। यह उपलब्धि वैश्विक दक्षिण की क्षमता का संदेश है कि समाधान संसाधनों से नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता से निकलते हैं। भारत की सफलता का मूल आधार उसकी नीतिगत स्पष्टता और जनभागीदारी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और राज्यों की स्थानीय पहलें मिलकर काम कर रही हैं। स्थानीय समुदायों को भागीदार और संरक्षक बनाकर प्रयासों को स्थायित्व दिया गया है। एग्रोफॉरेस्ट्री ने खेती और वानिकी के बीच सहयोग बढ़ाया है, जबकि ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और भू-स्थानिक तकनीक ने निगरानी और मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाया है। यही कारण है कि भारत का मॉडल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सहभागी विकास और पर्यावरण प्रबंधन का वैश्विक उदाहरण बन गया है। फिर भी आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। देश में अभी भी विशाल क्षेत्र भूमि क्षरण की समस्या से प्रभावित है। 2030 तक निर्धारित शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासों की गति और व्यापकता दोनों बढ़ानी होंगी। निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और युवा नवाचारकों को इस अभियान से अधिक गहराई से जोड़ना होगा। जलवायु वित्त की उपलब्धता बढ़ाना भी अनिवार्य है, ताकि छोटे किसान, वनवासी और आदिवासी समुदाय इस परिवर्तन के पूर्ण लाभार्थी बन सकें। साथ ही, सतत निगरानी, वैज्ञानिक मूल्यांकन और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीतियों में निरंतर सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्राप्त उपलब्धियां टिकाऊ और दीर्घकालिक बनी रहें।

दिल्ली के मंगोलपुरी में फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. संजय गांधी अस्पताल के पीछे स्थित ऑटो मार्केट के पास एक फर्नीचर की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा।

घटना रात करीब तीन बजे की है. स्थानीय लोगों ने अचानक दुकान से उठती आग की लपटें और धुआं देखा, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया. दुकान में बड़ी मात्रा में लकड़ी और फर्नीचर का सामान रखा हुआ था. ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया. दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास की अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया।

लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरों को हटाने की मांग, हाईकोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली(आरएनएस)। पिछले दिनों लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरों को मनगढ़ंत और झूठा बताते हुए बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. बैडमिंटन एसोसिएशन ने इन खबरों को फर्जी बताते हुए इन्हें हटाने की मांग की है. हाईकोर्ट ने इस याचिका पर आज दोपहर बाद सुनवाई करने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से पेश वकील अपूर्व कुरुप ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की. उन्होंने कहा कि दर्जनों जजों के लंदन में बैडमिंटन खेलने की खबरें वायरल हो गई हैं. इन खबरों से ये खेल बदनाम हो रहा है. मेंशनिंग के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिका की एडवांस कॉपी मिल चुकी है और इस संबंध में फर्जी खबर कई गुणा तेज गति से वायरल हो रही है।

वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत और कुछ केंद्रीय मंत्रियों के साथ देश के करीब 75 जज लंदन जाकर बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया. ये सारा आयोजन देश के करदाताओं के पैसे से किया गया. इस वायरल पोस्ट से देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे।

लोग बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले जजों की ईमानदारी पर भी सवाल उठाने लगे. हालांकि सरकार की फैक्ट चेकिंग यूनिट ने इस खबर को खारिज करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रियों अर्जुन मेघवाल और किरण रिजिजू के लंदन जाकर बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरें फर्जी हैं. फैक्ट चेकिंग यूनिट ने कहा कि जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई हैं वे 2025 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम की हैं न कि लंदन की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन पहुंचे लद्दाख, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

श्रीनगर(आरएनएस)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तीन दिन के दौरे पर शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पहुंचे. वह यहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेंगे. उप राष्ट्रपति का स्वागत लेह के कुशोक बकुला रिनपोछे एयरपोर्ट पर लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने किया।

इस अवसर पर लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद कारगिल के मुख्य कार्यकारी पार्षद डॉ. मोहम्मद जाफर अखून, लद्दाख से लोकसभा सांसद मोहम्मद हनीफा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन तीन दिन के दौरे पर लेह में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समेत कई कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में युवा, सशस्त्र बलों के कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के सदस्य योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के संदेश को बढ़ावा देने में भाग लेंगे।

इसको लेकर एलजी सक्सेना ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, '' उपराष्ट्रपति की अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले उपस्थिति अत्यंत प्रेरणादायक है. योग की शाश्वत परंपरा के उत्सव की तैयारी के बीच उनका मार्गदर्शन और नेतृत्व हमें अधिक स्वस्थ, संतुलित और सामंजस्यपूर्ण जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेगा.''एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरे के दौरान, उप-राष्टपति 20 जून को सीमावर्ती गांव लुकुंग जाएंगे, जहां वे स्थानीय स्वयं सहायता समूहों से बातचीत करेंगे और 'वाइब्रेंट विलेजेज' कार्यक्रम के तहत सीमा क्षेत्र में जारी विकासात्मक पहलों की समीक्षा करेंगे. वह युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे।

दिल्ली सरकार ने सर्दियों के लिए पहले ही जारी किया प्रदूषण नियंत्रण रोडमैप, नागरिकों और संस्थानों को मिलेगा तैयारी का पर्याप्त समय

सर्दियां आने के बाद नहीं, बल्कि महीनों पहले बताए जा रहे हैं संभावित प्रतिबंध और व्यवस्थाएं ताकि लोगों को न हो असुविधा : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शीतकालीन वायु गुणवत्ता प्रबंधन व्यवस्था (Proactive Winter Air Quality Management Framework) अधिसूचित कर दी है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुसार अब तक आमतौर पर ऐसा होता था कि सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने या ग्रैप के तहत विभिन्न प्रतिबंध लागू होने के बाद लोगों को नई व्यवस्थाओं की जानकारी मिलती थी, जिससे नागरिकों, उद्योगों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, निर्माण एजेंसियों, संस्थानों और अन्य हितधारकों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। कई बार लोगों को असुविधा का भी सामना करना पड़ता था। लेकिन इस बार दिल्ली सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री ने बताया कि अब सरकार सर्दियों की शुरुआत से कई महीने पहले ही यह स्पष्ट कर रही है कि नवंबर से फरवरी के दौरान प्रदूषण बढ़ने की स्थिति में कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते हैं, किन व्यवस्थाओं को लागू किया जा सकता है और विभिन्न क्षेत्रों से क्या अपेक्षाएं रहेंगी। इससे नागरिकों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए), उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, निर्माण एजेंसियों और सरकारी विभागों को अग्रिम योजना बनाने और आवश्यक तैयारियां करने का पर्याप्त समय मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से नवंबर से फरवरी के बीच वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती रही है और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अक्सर 'बहुत खराब' (Very Poor) और 'गंभीर' (Severe) श्रेणी में पहुंच जाता है। यह हालात हर वर्ष पैदा हो रहे हैं, इसलिए दिल्ली सरकार ने केवल आपातकालीन प्रतिक्रिया पर निर्भर रहने के बजाय अग्रिम तैयारी, समयबद्ध हस्तक्षेप और बेहतर समन्वय पर आधारित रणनीति अपनाई है। यह फ्रेमवर्क पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किया गया है और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी संशोधित ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के पूरक के रूप में कार्य करेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी विभाग और एजेंसियां सर्दियों के महीनों में निरंतर तैयार रहें और प्रदूषण नियंत्रण उपाय प्रतिकूल परिस्थितियों के आने से पहले ही लागू किए जा सकें न कि केवल ग्रैप लागू होने के बाद। मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिसूचित व्यवस्था के तहत दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर केवल उन्हीं वाहनों को ईंधन मिलेगा, जिनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) होगा।

पूर्वोत्तर में मूसलाधार बारिश, उत्तर-पश्चिम में आंधी-ओले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश के वेदर पैटर्न में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने जा रहा है। एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस), चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र और मजबूत होते दक्षिण-पश्चिम मानसून के मेल से उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के बड़े हिस्से में तेज आंधी, बारिश, आकाशीय बिजली और ओलावृष्टि की स्थितियां बन रही हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र ने असम, मेघालय और सिक्किम जैसे राज्यों के लिए मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी और पहाड़ी इलाकों में धूलभरी आंधी और ओलों की चेतावनी दी गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों और मैदानों में उग्र मौसम

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक दे चुके पश्चिमी विक्षोभ के कारण कई राज्यों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। पहाड़ी और मैदानी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने और बिजली कड़कने के आसार हैं। हिमाचल और कश्मीर के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। राजस्थान में इसका असर सबसे ज्यादा दिखेगा, जहां हवाओं की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और पश्चिमी इलाकों में धूल का गुबार छाने की आशंका है।

56 साल के हुए राहुल गांधी, पीएम मोदी ने जन्मदिन पर दीं शुभकामनाएं

नईदिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को 56 साल के हो गए। उनका जन्म साल 1970 में हुआ था। राहुल ने महज 14 साल की उम्र में अपनी दादी इंदिरा गांधी को खो दिया था। इसके बाद उनके पिता की भी हत्या कर दी गई थी। इस राहुल काफी छोटे थे। लंबे समय बाद राहुल ने 2004 में राजनीति में कदम रखा और अब वह विपक्ष का सबसे अहम चेहरा हैं। हालांकि, राहुल के राजनीति में आने के बाद से कांग्रेस पार्टी एक-एक कर अधिकतर राज्य खो चुकी है। अब केरल, कर्नाटक और हिमाचल जैसे चुनिंदा राज्यों में ही कांग्रेस सत्ता में है।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। उनकी अच्छी सेहत और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी के अलावा बीजेपी, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।केरल में कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर राहुल के राजनीतिक सफर और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके कमिटमेंट की तारीफ करते हुए मैसेज और तस्वीरें शेयर कीं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में यंत्र इंडिया लिमिटेड की इकाई, ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी में 10,000 टन की एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला का अनावरण किया।

यूएन में भारत ने जम्मू-कश्मीर को अभिन्न अंग बताया, कहा-पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करता है

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र में पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए जम्मू और कश्मीर के संबंध में इस्लामाबाद के आरोपों को खारिज कर दिया। भारत ने पाकिस्तान को एक फ्रैंकस्टीन राज्य बताया, जिसने आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में बढ़ावा दिया और अब अपने ही कर्मों का फल भुगत रहा है। भारत ने कहा कि जब उसका अपना ही आतंकवाद रूपी राक्षस पलटवार करता है तो वह चौंक जाता है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने जम्मू-कश्मीर के संबंध में पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) द्वारा किए गए बयानों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा,हम ओआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का दुष्प्रचार उसकी घरेलू विफलताओं और आतंकवाद को समर्थन देने को छिपाने के लिए रचा गया है। ओआईसी समन्वयक की भूमिका का उसका दुरुपयोग इस धोखे को और भी पुष्ट करता है।

पीओके में हिंसा को लेकर भारत ने कहा, रावलकोट में जारी त्रासदी, सैकड़ों नागरिकों की हत्या और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में क्रूर कार्रवाई, जबरन कब्जे पर आधारित और आर्थिक मंदी के जरिए कायम रखी गई व्यवस्था का नतीजा है। दशकों से चले आ रहे सैन्य अतिक्रमण, जनसांख्यिकीय हेरफेर और बुनियादी स्वतंत्रताओं से वंचित करने के कारण स्थिति ऐसी हो गई है कि रोटी, बिजली, अधिकार और सम्मान जैसी मांगों का भी गोलियों और क्रूरता से सामना करना पड़ता है।

सिंह ने कहा, पाकिस्तान वह देश है जहां मौजूदा रक्षा मंत्री आतंकवादियों को पनाह देने, प्रशिक्षण देने और तैनात करने को राज्य नीति बताते हैं और फिर भी पाकिस्तान खुद को आतंकवाद का शिकार कहता है।

डिलीवरी के बाद मां-नवजात की दर्दनाक मौत, चिता की राख में मिली सर्जरी वाली कैंची; सरकारी अस्पताल की खुली पोल

भद्राद्री कोठागुडेम (आरएनएस)। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलने वाला एक बेहद खौफनाक और दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी अस्पताल की घोर लापरवाही के कारण न केवल एक नवजात बच्ची और उसकी मां की जान चली गई, बल्कि अंतिम संस्कार के बाद मृतका की अस्थियों से कुछ ऐसा मिला जिसने सभी के रोंगटे खड़े कर दिए। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और तत्काल प्रभाव से चिकित्सा अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है।

नर्स ने कराया प्रसव, कुछ ही घंटों में उजड़ गया परिवार

जानकारी के अनुसार, जिले के गुंडाला मंडल के शंभूनिगुडेम गांव की रहने वाली 21 वर्षीय गर्भवती महिला चटला वनजा को 13 जून को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। घबराए परिजन उसे तुरंत गुंडाला के सरकारी अस्पताल ले गए। लेकिन बदकिस्मती से वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। आनन-फानन में अस्पताल की स्टाफ नर्स ने ही महिला का सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) करा दिया। जन्म के बाद नवजात बच्ची की हालत बिगड़ने लगी, जिसे देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए इल्लेंदु अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

अस्थियां चुनने गए परिजनों के उड़े होश

बच्ची की मौत का सदमा परिवार अभी बर्दाश्त भी नहीं कर पाया था कि अत्यधिक रक्तस्राव (ब्लीडिंग) के कारण खम्मम ले जाते समय रास्ते में प्रसूता वनजा ने भी दम तोड़ दिया। इसे एक साधारण मौत मानकर गमगीन परिजनों ने उसी शाम को मां और बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया। गुरुवार की सुबह जब परिवार के लोग और ग्रामीण रीति-रिवाजों के अनुसार श्मशान घाट में अस्थियां चुनने पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मृतका की अस्थियों के बीच सर्जरी में इस्तेमाल होने वाली एक कैंची पड़ी थी।

लापरवाही से गई जान, चिकित्सा अधिकारी सस्पेंड

राख में कैंची मिलने के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका आरोप है कि जब डॉक्टरों के अनुसार प्रसव सामान्य हुआ था तो महिला के शरीर में कैंची कैसे पहुंची? अंदेशा जताया जा रहा है कि अत्यधिक ब्लीडिंग रोकने के लिए रुई लगाते समय मेडिकल स्टाफ अपनी घोर लापरवाही के चलते कैंची अंदर ही भूल गया, जो इन दोनों मौतों का असली कारण बनी। जब पीड़ित परिवार ने गुंडाला के चिकित्सा अधिकारी सुदीप से इसका जवाब मांगा, तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि प्रसव सामान्य था और उन्हें नहीं पता कि कैंची वहां कैसे आई। परिजनों द्वारा जिले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ) से की गई सख्त शिकायत के बाद, मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा अधिकारी सुदीप को निलंबित कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें, कलकत्ता हाईकोर्ट ने नोटिस किया जारी

कलकत्ता (ए)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को अदालत की अवमानना करने के मामले में नोटिस भेजा है। यह नोटिस तृणमूल कांग्रेस की सालाना शहीद दिवस रैली के संबंध में है, जो 21 जुलाई 2025 को बुलाई गई थी। इस रैली ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2018 के फैसले का उल्लंघन किया था, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को साफ निर्देश था कि वो शहर के किसी भी मार्ग को अवरुद्ध नहीं करें।हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट में सालाना शहीद दिवस के संबंध में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी। यह याचिका जस्टिस अरिजित बनर्जी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष दाखिल की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को प्रारंभिक सुनवाई हुई। इसके बाद खंडपीठ ने आदेश दिया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को अवमानना का नोटिस जारी किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई तीन जुलाई को होगी।बता दें कि 2018 में कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने फैसला सुनाया था कि कोई भी राजनीतिक दल शहर के मुख्य हिस्सों को ब्लॉक नहीं करेगा। यह फैसला न्यायमूर्ति

ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी ने सुनाया था। तत्कालीन खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा था कि सड़क का एक हिस्सा हमेशा पैदल चलने वाले और वाहन चालकों के लिए खुला रहना चाहिए। एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन स्थितियों में सड़क का एक हिस्सा हमेशा खुला रहे। इसके अलावा अगर जरूरत पड़े तो वाहनों के सुगम आवागमन के लिए दूसरे रोड की व्यवस्था की जाए। हाईकोर्ट ने 2018 में पुलिस को आदेश दिया था कि वो मीडिया के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक डायवर्जन के बारे में जानकारी दें। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर राजनीतिक बैठक या रैली के दौरान किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या हिंसा की स्थिति पैदा होती है, तो आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट में एक दूसरी याचिका दाखिल की गई है, जिसमें यह दावा किया गया है कि गत वर्ष 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली के दौरान 2018 के फैसले का उल्लंघन किया गया है। याचिका में यह भी दावा किया गया कि टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली सेंट्रल कोलकाता के एस्प्लेनेड में एक अहम जंक्शन को पूरी तरह से ब्लॉक करके आयोजित की गई थी, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हुई।

बलौदाबाजार हिंसा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

बिलासपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ बलौदाबाजार जिले में हिंसा और आगजनी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। एसएलपी पर अगली सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 17 जुलाई की तिथि निर्धारित की है।

हाईकोर्ट से जमानत याचिका हो चुकी है खारिज

बता दें कि बलौदाबाजार में हुए बहुचर्चित हिंसा और आगजनी मामले में आरोपी अमित बघेल,अजय यादव और दिनेश कुमार वर्मा की छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने तीनों की जमानत याचिका को खारिज कर दी थी। अजय यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जमानत की गुहार लगाई है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास के सिंगल बेंच ने 19 मई 2026 को आवेदकों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आवेदक अमित बघेल और अजय यादव छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारी हैं, उन पर सात से आठ हजार लोगों की भीड़ को भड़काने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस बल पर जानलेवा हमले का गंभीर आरोप है।

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदना चाहते हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

आजकल ऑनलाइन खरीदारी का चलन बहुत बढ़ गया है, खासकर परफ्यूम जैसी चीजों के लिए। बिना सुंघे परफ्यूम खरीदना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन सही जानकारी और सावधानी बरतकर आप अच्छे विकल्प चुन सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप बिना सुंघे परफ्यूम खरीदे भी अपने लिए सही विकल्प चुन सकते हैं। इन सुझावों की मदद से आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदारी को आसान और सुरक्षित बना सकते हैं।

ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान दें

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदते समय सबसे पहले ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान देना जरूरी है। अच्छे और लोकप्रिय ब्रांड्स की परफ्यूम हमेशा बेहतर गुणवत्ता की होती हैं। इसके अलावा रेटिंग्स और समीक्षाएं पढ़कर आप यह जान सकते हैं कि अन्य ग्राहकों को उन परफ्यूम से कैसा अनुभव रहा है। इससे आपको यह अंदाजा होगा कि कौन सी परफ्यूम आपके लिए सही रहेगी। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

सामग्रियों की सूची देखें

परफ्यूम की सामग्रियों की सूची देखना भी अहम है। इससे आपको यह पता चलेगा कि उसमें कौन-कौन से तत्व शामिल हैं और वे आपकी त्वचा के लिए कितने अनुकूल हैं। कुछ परफ्यूम में कृत्रिम तत्व होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि प्राकृतिक तत्व वाला परफ्यूम ज्यादा सुरक्षित होता है। इसके अलावा किसी भी नई परफ्यूम का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सामग्रियों की जानकारी जरूर लें ताकि आपको किसी प्रकार की समस्या न हो।

कीमत का मिलान करें

जब आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदें तो उसकी कीमत का मिलान जरूर करें। अलग-अलग वेबसाइट्स पर एक ही परफ्यूम की कीमत में अंतर हो सकता है, इसलिए सबसे उचित दाम वाली वेबसाइट चुनें। इसके अलावा छूट या विशेष ऑफर भी देखें ताकि आप अच्छी डील पा सकें। कभी-कभी वेबसाइट्स पर खास छूट या कूपन कोड भी मिल सकते हैं, जिससे आपकी खरीदारी और भी सस्ती हो सकती है। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

वापसी नीति पढ़ें

अगर आपको खरीदी हुई परफ्यूम पसंद नहीं आती या उसमें कोई समस्या होती है तो वापसी नीति पढ़ना जरूरी है। ज्यादातर ऑनलाइन स्टोर्स परफ्यूम की वापसी नीति प्रदान करते हैं, जिससे आप असंतुष्ट उत्पाद वापस कर सकते हैं। इससे आपको नुकसान उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा कुछ स्टोर्स बदलने का विकल्प भी देते हैं, जिससे आप अपनी असंतुष्ट परफ्यूम को बदल सकते हैं। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

विशेषज्ञ सलाह लें

अगर फिर भी संदेह हो तो विशेषज्ञ सलाह लेना बेहतर हो सकता है। कई वेबसाइट्स पर विशेषज्ञ द्वारा सुझाए गए विकल्प होते हैं, जिन्हें देखकर आप बेहतर निर्णय ले सकते हैं। इसके अलावा अपने दोस्तों या परिवार वालों से भी राय ले सकते हैं, जिन्होंने पहले से वही परफ्यूम इस्तेमाल की हो। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं और अपनी खरीदारी को सुरक्षित बना सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर पेड्डी के लड़खड़ाने लगे कदम, मैं वापस आऊंगा ने दिखाया दम

बॉक्स ऑफिस की अग्निपरीक्षा में कई दिनों तक सफलता से टिकने के बाद पेड्डी के कदम अब लड़खड़ाने लगे हैं। राम चरण अभिनीत यह पैन-इंडिया फिल्म कमाई के मामले में हर दिन नीचे गिर रही है। दूसरी तरफ दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा की कमाई में दिन पर दिन उछाल देखने को मिल रहा है। वहीं मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी की कमाई को तगड़ा झटका लगा है। आइए जानते हैं इन फिल्मों की ताजा कमाई।

सैकनिल्क के मुताबिक, पेड्डी ने रिलीज के 14वें दिन 2.45 करोड़ रुपये कमाए हैं। पिछले दिनों में, 13वें दिन का कलेक्शन 3.45 करोड़ रुपये और 12वें दिन का कलेक्शन 4.10 करोड़ रुपये था। कारोबारी दिनों में आकर फिल्म लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इसका कुल कलेक्शन अब 226 करोड़ रुपये हो चुका है, जबकि विश्व स्तर पर कमाई 320.20 करोड़ रुपये हुई है। बुची बाबू सना द्वारा निदेर्शित फिल्म में जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु और बोमन ईरानी भी हैं।

'द इंडिया स्टोरी' रिलीज़ से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ़िल्म द इंडिया स्टोरी की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल

ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी से जोड़ते हुए लिखा है, दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये द इंडिया स्टोरी है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है।

45 की उम्र में टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट ने ढाया कहर, मोनोकनी पहन बीच किनारे दिए पोज

टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट इन दिनों अपने पति संग वैकेशन एंजॉय करती नजर आ रही हैं. वैकेशन से उन्होंने अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. जिसमें वो मोनोकनी पहने नजर आईं. 45 की उम्र में एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं.हिप हिप हुर्रे, एक हसीना थी, प्यार की ये एक कहानी और कैसी ये यारियां जैसे शोज में काम कर चुकीं किश्वर मर्चेंट अब काफी ग्लैमरस हो गई हैं. किश्वर मर्चेंट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस मोनोकनी पहने नजर आईं. 45 की उम्र में किश्वर मर्चेंट का ये अंदाज देख फैंस उनपर से नजर नहीं हटा पा रहे हैं. बढ़ती उम्र के साथ-साथ वो और भी खूबसूरत होती जा रही हैं. किश्वर मर्चेंट ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है. बीच किनारे किश्वर मर्चेंट ने मोनोकनी में जमकर पोज दिए हैं. उनकी मुस्कान फैंस को दीवाना बना रही है. किश्वर मर्चेंट की इन ग्लैमरस फोटोज ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. लोग इनपर खूब प्यार लुटा रहे हैं. बता दें, एक्ट्रेस की शादी टीवी एक्टर और सिंगर सुयश राय के साथ हुई है. दोनों ने 16 दिसंबर 2016 को सात फेरे लिए थे. कपल का एक बेटी भी है।

रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड में से किसका करना चाहिए इस्तेमाल? जानें

त्वचा की देखभाल के लिए कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड जैसे तत्व मौजूद होते हैं। ये सभी तत्व त्वचा की देखभाल में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल का तरीका अलग है। आइए जानते हैं कि इन तीन के बीच क्या अंतर है और किसका इस्तेमाल त्वचा के लिए ज्यादा अच्छा है।

रेटिनॉल क्या है और इसके फायदे

रेटिनॉल विटामिन-ए का एक रूप है, जो त्वचा की कोशिकाओं को नया जीवन देता है। यह त्वचा की बनावट को सुधारने, महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने और रंग में सुधार लाने में मदद करता है। रेटिनॉल त्वचा को कोमल और चमकदार बनाने में भी सहायक होता है। इसके अलावा यह मुंहासों की समस्या को भी दूर कर सकता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

हयालूरोनिक एसिड के लाभ

हयालूरोनिक एसिड एक ऐसा तत्व है, जो त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है और पानी को खींचता है। यह त्वचा को भरपूर और ताजा दिखाने में मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का नियमित इस्तेमाल करने से त्वचा की नमी बनी रहती है और यह सूखापन दूर करता है। इसके अलावा यह झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का कोई नुकसान नहीं होता और यह सभी प्रकार की त्वचा पर काम करता है।

सैलिसिलिक एसिड क्या है?

सैलिसिलिक एसिड एक प्रकार का एसिड है, जो त्वचा की गहराई तक जाकर गंदगी और तेल को साफ करता है। यह मुंहासों की समस्या को दूर करने में बेहद असरदार है और त्वचा की तैलीयता को नियंत्रित करता है। सैलिसिलिक एसिड मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है और रोमछिद्रों को खोलता है, जिससे त्वचा साफ और स्वस्थ रहती है। यह संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए भी सुरक्षित है।

इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

अब सवाल यह उठता है कि इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर है? अगर आपकी त्वचा तैलीय या मुंहासे वाली है तो सैलिसिलिक एसिड आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आपकी त्वचा रूखी या उम्र के असर से परेशान है तो हयालूरोनिक एसिड और रेटिनॉल दोनों ही आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। हालांकि, इन तीनों का इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

मॉस्को में हुई काली बारिश, देखकर चौंके लोग, रूस का इनकार-ऐसा कैसे हो सकता है

मॉस्को, (आरएनएस)। मॉस्को की एक बड़ी तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ज़बरदस्त ड्रोन हमले के बाद गुरुवार को रूसी राजधानी मॉस्को के कुछ हिस्सों पर काले, तैलीय पदार्थ की परत जम गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के कारण एक अजीब घटना हुई, जिसमें रिहायशी इलाकों में काले तेल के कण बारिश की तरह गिरने लगे। यह घटना राजधानी क्षेत्र पर यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद हुई है, जिसमें यूक्रेन ने लगभग 200 ड्रोन दागे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, इन हमलों से आसमान में घने धुएं के गुबार उठने लगे और काली बारिश हुई, इससे मॉस्को के आस-पास के इलाके में कम से कम 17 लोग घायल हो गए।

यूक्रेन के हमलों और विस्फोटों के बाद, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल होने लगे। इन वायरल क्लिप्स में कारों, खिड़कियों और सड़कों पर चिपचिपी, काली परत जमी हुई दिखाई दे रही है। कई वीडियो में लोगों को उस तैलीय तरल पदार्थ को छूते हुए दिखाया गया है, जिससे पता चलता है कि ज़हरीला कचरा स्थानीय इलाकों में किस तरह फैल गया है।

ऑनलाइन फैल रहे कई वीडियो और तस्वीरों के बावजूद, नगर निगम के अधिकारियों ने शुरू में इस संकट को कम करके दिखाने की कोशिश की। स्थानीय अधिकारियों ने सख्ती से इस बात से इनकार किया कि शहर में किसी तरह की तेल की बारिश हो रही थी।

ट्रंप बोले- ईरान ने समझौते में बिना शर्त आत्मसमर्पण किया, मेरी ताकतों की कोई सीमा नहीं

वाशिंगटन,(आरएनएस)। ईरान के साथ समझौते को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता तेहरान का बिना शर्त आत्मसमर्पण है। उन्होंने आगे दावा किया कि उनकी शक्ति की कोई सीमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने युद्ध को वैश्विक आर्थिक मंदी में बदलने से रोकने के लिए यह समझौता किया है।

ट्रंप ने कहा, मैंने इस समझौते पर बातचीत इसलिए की, ताकि यह वैश्विक आर्थिक मंदी का रूप न ले ले। मैं और सख्त तभी हो सकता हूं जब मैं 2-3 हफ्ते के लिए वहां जाकर उन पर लगातार बमबारी करता रहूं। है ना लेकिन इससे हमें क्या मिलेगा? होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो जाएगा। हमें महीनों तक तेल नहीं मिलेगा। इस तरह की चीजें वैश्विक मंदी का कारण बन सकती हैं।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या युद्ध ने उन्हें अपनी शक्ति की सीमाओं के बारे में सिखाया है, तो उन्होंने कहा, मैंने अभी तक यह सबक नहीं सीखा है। मैं जानता हूं कि सीमाएं हैं, लेकिन कोई सीमा नहीं है। ऐसी नाकाबंदी और कौन कर सकता था? मैंने नौसैनिक नाकाबंदी की थी जिसमें एक भी जहाज पार नहीं कर पाया। कुछ ने कोशिश की थी, लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं चली।

समझौता होने के बाद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकाबंदी हटा ली है। अमेरिकी सेना ने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोत उस क्षेत्र में मौजूद रहेंगे। समुद्री निगरानीकर्ताओं के अनुसार, बीते दिन 3 तेल टैंकर और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस से लदा एक फ्रांसीसी जहाज होर्मुज से गुजरा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बुधवार रात को होर्मुज जलडमरूमध्य से 12.5 अरब बैरल से ज्यादा तेल गुजरा है।

मोजतबा ने ईरान-अमेरिका समझौते पर कहा- बेताब थे ट्रंप, ईरानी अधिकारों के आश्वासन पर दी मंजूरी

तेहरान(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपना पहला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अलग राय होने के बावजूद उन्होंने समझौते को मंजूरी दी है। मोजतबा ने कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यह आश्वासन दिया कि ईरान के अधिकारों और प्रतिरोध मोर्चे के हितों की रक्षा की जाएगी, जिसके बाद वे सहमत हुए हैं।मोजतबा ने कहा, असल में, मेरी राय अलग थी, लेकिन, सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख के तौर पर पेजेश्कियन ने अपनी और दूसरे सदस्यों की तरफ से ईरानी देश और प्रतिरोध मोर्चे के अधिकारों की सुरक्षा के बारे में जो वादा किया था, और उस जिम्मेदारी को मानने के कारण, मैंने अपनी इजाजत दे दी। मोजतबा ने कहा कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही थे, जिन्होंने हताशा में आकर समझौते को अंजाम देने के लिए हर तरह का फायदा उठाया।

अमेरिका-ईरान समझौते के बाद भी इजरायल का लेबनान पर हमला जारी, 16 की मौत

बेरूत (आरएनएस)। फ्रांस में अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्रीय समझौते के बाद भी इजरायल का लेबनान पर हमला जारी है। उसने नबातीह जिले में भीषण बमबारी की है, जिसमें 16 लोग मारे गए हैं।सूत्रों ने दक्षिणी लेबनान के नबातीह जिले में इजरायल के हमलों को सबसे भीषण हमलों में से एक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली सेना ने रात भर हवाई हमलों के जरिए कई घरों को निशाना बनाया है। इजरायली सेना ने एक बयान में बताया कि हमलों में दक्षिणी लेबनान में ईरान के मोर्चे पर स्थित हिज्बुल्लाह आतंकवादियों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। सूत्रों ने बताया कि इजरायली सेना ने कहा है कि यह हमले ईरान समर्थित समूह द्वारा बार-बार युद्धविराम के उल्लंघन के जवाब में किए गए थे। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा शहर पर हमला किया था, जिसमें 3 लोगों की मौत हुई थी।फ्रांस के वर्साय में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने समझौता ज्ञापन पर जो हस्ताक्षर किए हैं, उसमें पहली शर्त लेबनान समेत सभी मोर्चों पर पूरी तरह हमले रोकने की बात है। ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा था, हम लेबनान, हिज्बुल्लाह और इजरायल सहित सभी मोर्चों पर पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद करते हैं। इसके बाद उन्होंने ट्रुथ पर भी शांति के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।

ईरान समझौते की आलोचना पर वेंस का नेतन्याहू को संदेश, कहा- ट्रंप इजरायल के इकलौते सहयोगी

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ हुए समझौते की आलोचना करने पर इजरायल नेताओं को निशाने पर लिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नेतन्याहू के मंत्रिमंडल के भीतर कुछ लोग समझौते की आलोचना कर रहे हैं। वेंस ने कहा कि इजरायल को यह समझना चाहिए की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वो एकमात्र नेता हैं, जो इजरायल को पसंद करते हैं।

वेंस से एक पत्रकार ने पूछा था कि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू समझौते को लेकर बेहद नाराज हैं। इस पर उन्होंने कहा, बीबी के मंत्रिमंडल में ऐसे लोगों को देखा है, जो सामने आकर इस समझौते की आलोचना कर रहे हैं, और कुछ मायनों में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला किया है। पहली बात तो यह है कि ट्रंप इस समय पूरी दुनिया में एकमात्र ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो इजरायल के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

वेंस ने आगे कहा कि अगर वह इजरायली सरकार के मंत्रिमंडल में होते, तो शायद वह दुनिया में बचे अपने इकलौते शक्तिशाली सहयोगी पर हमला नहीं कर रहे होते। उन्होंने इजरायली सरकार के मंत्रियों को याद दिलाया कि पिछले 3 महीनों में, इजरायल की रक्षा करने वाले 2 तिहाई हथियार अमेरिकी द्वारा बनाए गए हैं और अमेरिकी करदाताओं के पैसों से खरीदे गए हैं। अमेरिका इजरायल को प्रतिवर्ष 4 अरब डॉलर (37,000 करोड़ रुपये) की सैन्य सहायता देता है।

वेंस ने आगे कहा, इजरायल के लिए समस्या ट्रंप नहीं हैं। और इजरायल में जो भी यह सोचता है कि उनकी सबसे बड़ी समस्या अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, उन्हें जागने और उस देश की स्थिति की वास्तविकता को समझने की जरूरत है। बता कें कि नेतन्याहू सरकार में वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गिविर नेतन्याहू के धुर दक्षिणपंथी सहयोगी हैं और दोनों ने इजरायल से समझौते की शर्तों को नजरअंदाज करने का आह्वान किया है।

बिना हिजाब के गाना गाने पर ईरानी सिंगर को 74 कोड़े मारने की सजा, देश छोड़ने पर भी लगा बैन

तेहरान (आरएनएस)। ईरान की चर्चित गायिका परस्तू अहमदी और उनके साथ जुड़े आठ अन्य कलाकारों को एक ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम के मामले में अदालत ने 74-74 कोड़ों की सजा सुनाई है। इसके साथ ही सभी पर दो वर्षों तक देश छोड़ने और किसी भी प्रकार की कलात्मक गतिविधि में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह फैसला ईरान के कोम प्रांत की एक अदालत ने दिसंबर 2024 में यूट्यूब पर प्रसारित किए गए एक लाइव कॉन्सर्ट से जुड़े मामले में सुनाया। अदालत ने कलाकारों पर अश्लील सामग्री प्रकाशित करने और सार्वजनिक शालीनता के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय परस्तू अहमदी ने दिसंबर 2024 में बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। इस दौरान उन्होंने ईरान का प्रसिद्ध देशभक्ति गीत अज खूने जवानाने वतन गाया था। कार्यक्रम में वह बिना हिजाब और बिना बाजू वाली पोशाक में नजर आई थीं। उनके साथ चार पुरुष संगीतकार भी मौजूद थे। करीब 27 मिनट लंबे इस वीडियो को यूट्यूब पर लाखों लोगों ने देखा और यह तेजी से सोशल मीडिया पर

वायरल हो गया। वीडियो के कैप्शन में इसे एक काल्पनिक कॉन्सर्ट बताया गया था। हालांकि, वीडियो के प्रसारण के बाद ईरानी अधिकारियों ने अहमदी और कई अन्य संगीतकारों को हिरासत में लिया था। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रही।ईरान में महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनना अनिवार्य है। साथ ही, महिलाओं को सार्वजनिक मंचों पर अकेले गायन प्रस्तुत करने की भी अनुमति नहीं है। अधिकारियों का मानना है कि परस्तू अहमदी का यह प्रदर्शन देश के मौजूदा नियमों के विरुद्ध था। परस्तू अहमदी इससे पहले वर्ष 2022 में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भी चर्चा में आई थीं। उन पर उस समय आंदोलन के समर्थन में गीत गाने का आरोप लगा था, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उनसे पूछताछ की थी।इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि केवल गायन और बिना हिजाब सार्वजनिक रूप से दिखाई देने के कारण इतनी कठोर सजा देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और महिलाओं के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।कानूनी विशेषज्ञों ने भी फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि ईरानी कानून में महिलाओं के संगीत प्रस्तुत करने या संगीत संबंधी सामग्री प्रकाशित करने को स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

फीफा विश्व कप 2026: पहले सप्ताह में चमके कई अनजान से खिलाड़ी

टोरंटो (ए.)। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 की शुरुआत में जहां लियोनेल मेसी , काइलियान एमबाप्पे सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन कर अपनी टीमों को जीत दिलायी है। वहीं पहले सप्ताह में कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा।इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ गेंद पर नियंत्रण के लिए हवा में छलांग लगाई, जिसके परिणामस्वरूप मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: घाना ने रोमांचक मुकाबले में पनामा को 1-0 से हराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में घाना फुटबॉल टीम ने ग्रुप-एल में जीत के साथ शुरुआत की है। अपने पहले मैच में घाना ने पनामा फुटबॉल टीम को 1-0 से हराते हुए 3 अहम अंक बटोरे। टोरंटो में खेले गए मैच में घाना की ओर से कालेब यिरेंकी ने गोल किया, जो कि परिणाम के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ अब ग्रुप-एल में घाना की टीम फिलहाल दूसरे पायदान पर पहुंच गई है।

पहले हाफ में ज्यादातर पनामा ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और विपक्षी टीम के गोल के करीब कई मौके बनाए। इस बीच पनामा के सेसिलियो वॉटरमैन ने बॉक्स के बीच से दाहिने पैर से शॉट मारा, जिसे गोलकीपर लॉरेंस अति जिगी ने रोक लिया। मैच के 37वें मिनट में पनामा के जियोवानी रामोस ने दमदार शॉट लगाया, जो गोल के काफी करीब था, लेकिन टॉप राइट कॉर्नर से चूक गया। लगातार प्रयासों के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा।

दूसरे हाफ के दौरान पनामा की रक्षापंक्ति ने घाना के कई प्रयासों को असफल किया। मैच समाप्ति से कुछ मिनट पहले अतिरिक्त समय में ब्रेंडन थॉमस-असांटे ने बेहतरीन पास दिया, जिस पर कालेब यिरेंकी (90+5) ने दाहिने पैर से शॉट मारकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर में पहुँचाया।

कप्तान बनकर केकेआर जा सकते हैं सूर्यकुमार : उथप्पा

मुम्बई (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में असफल रहे मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के किसी अन्य टीम में जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि आईपीएल 2027 से पहले सूर्यकुमार मुम्बई को छोड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम में कप्तान बनकर जा सकते हैं। उथप्पा ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सूर्यकुमार के केकेआर में जाने की संभावना को प्रबल बताया। उनके अनुसार, केकेआर को भी भविष्य के लिए एक अनुभवी कप्तान की जरुरत है और सूर्यकुमार इस भूमिका के लिए एक बेहतीन विकल्प हो सकते हैं। हाल ही में सूर्यकुमार द्वारा इंस्टाग्राम पर मुंबई इंडियंस को कुछ समय के लिए अनफॉलो करने और फिर दोबारा फॉलो करने की घटना ने भी उनके फ्रेंचाइजी छोड़ने की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसे मुम्बई के साथ उनके रिश्तों में आई दरार का संकेत माना, हालांकि बाद में उन्होंने टीम को फिर से फॉलो कर लिया था।गौरतलब है कि आईपीएल 2026 सूर्यकुमार यादव के लिए काफी निराशाजनक सत्र रहा। इसमें उनके फॉर्म पर सवाल खड़े किए। उथप्पा का यह भी मानना है कि केकेआर आगामी सीजन में अपनी कप्तानी में बदलाव कर सकती है क्योंकि पिछले दो सत्र से कप्तान रहे अजिंक्य रहाणे असफल रहे हैं। वहीं उपकप्तान रिंकू सिंह अभी पूरी तरह से नेतृत्व के लिए तैयार नहीं दिखते। ऐसे में सूर्यकुमार यादव जैसा अनुभवी और आक्रामक खिलाड़ी टीम की कप्तानी की कप्तानी संभालने सबसे उपयुक्त नजर आते हैं। वहीं उथप्पा ने गंभीर की केकेआर में वापसी की संभावनाओं को लेकर कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप के बाद अगर गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ते हैं, तो वह दोबारा केकेआर में मेंटर या हेड कोच के रूप में लौट सकते हैं।

फीफा विश्व कप 2026: कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में कोलंबिया फुटबॉल टीम ने उज्बेकिस्तान फुटबॉल टीम को 3-1 से हराते हुए अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। कोलंबिया की इस जीत में डैनियल मुनोज, जामिंटन कैम्पाज और लुइस डियाज ने 1-1 गोल किए। पहली बार फीफा में हिस्सा ले रही उज्बेकिस्तान से अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल किया। इस जीत के साथ ग्रुप-के में मौजूद कोलंबिया 3 अंको के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

मैच की शुरुआत से ही कोलंबिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और गोल करने के कई प्रयास किए। मैच के 40वें मिनट में लुईस डियाज के पास पर डैनियल मुनोज ने फर्स्ट टच पर गोल किया। यह उनका फीफा विश्व कप में पहला और अंतरराष्ट्रीय करियर का कुल चौथा गोल साबित हुआ। मैच के 45वें मिनट में टीम के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने लंबी दूर से प्रयास किया, जो विपक्षी गोलकीपर ने अपने सुरक्षित दस्तानों से रोक लिया।

उज्बेकिस्तान से 60वें मिनट में अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल करने का प्रयास किया, जिसे कैमिलो वर्गास ने बचाया, लेकिन इस कोशिश में गेंद फैजुल्लाएव को मिल गई, जिसे उन्होंने हेडर से गोल किया। कुछ मिनट बाद ही 65वें मिनट पर लुइस डियाज ने गोल करते हुए फिर से टीम को बढ़त में ला दिया। मैच समाप्ति से कुछ मिनट पहले कैम्पाज ने गोल करते हुए जीत सुनिश्चित की।

इस जीत के साथ कोलंबिया की टीम ग्रुप-के में शीर्ष पर पहुंच गई है। कांगो और पुर्तगाल की टीम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। इन दोनों टीमों के बीच पहला मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप में उज्बेकिस्तान की टीम चौथे पायदान पर है। कोलंबिया अपने अगले मैच में 24 जून को कांगो से भिड़ेगी और अपने आखिरी ग्रुप मैच में 28 जून को पुर्तगाल से मुकाबला करेगी।

मैच में कोलंबिया ने गोल करने की 15 बार कोशिश की और 6 बार टारगेट पर शॉट लगाए। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान ने 7 बार कोशिश की और सिर्फ 3 बार टारगेट पर शॉट लगाए। इस रोचक मैच में जीतने वाली टीम के पास 67 प्रतिशत समय बॉल का कब्जा रहा। कोलंबिया ने 87 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 506 पास पूरे किए। उज्बेकिस्तान ने 330 पास किए, जिसमें उनकी एक्यूरेसी 80 प्रतिशत की रही।

एफआईएच प्रो लीग: आखिरी पलों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने 2-1 से हराया

रॉटरडैम (आरएनएस)। भारतीय मेंस हॉकी टीम को एफआईएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) प्रो लीग 2025-26 के अपने तीसरे मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने जर्मनी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत जर्मनी जीत दर्ज करने में सफल रही।अपना 100वां इंटरनेशनल मुकाबला खेल रहे जुगराज सिंह ने मैच के 38वें मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल किया, हालांकि जर्मनी की तरफ से जस्टस वीगैंड ने 56वें और जैकब ब्रिला ने 60वें मिनट में जर्मनी की ओर से गोल दागा। भारत ने मैच की शुरुआत काफी आक्रामक अंदाज में की। टीम ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा और जर्मनी पर दबाव बनाने की कोशिश की। मजबूत और कॉम्पैक्ट डिफेंस के चलते भारत ने वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को ज्यादा मौके नहीं बनाने दिए। दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने हाई प्रेसिंग गेम खेलते हुए अपनी तीव्रता को बढ़ाया। इस दबाव के कारण जर्मनी से कुछ गलतियां भी हुईं। भारत के लिए सबसे अच्छा मौका अभिषेक ने पहले

हाफ के दौरान बनाया, लेकिन वह उसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में मुकाबला और भी कड़ा रहा। भारतीय टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जिसका फायदा टीम को मिला। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 38वें मिनट में मिला, जिसका भरपूर फायदा अपना 100वां मैच खेल रहे जुगराज ने उठाया। जुगराज ने जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक के दम पर भारत को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।तीसरे क्वार्टर के आखिर में जर्मनी को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार डिफेंस करते हुए भारत को आखिरी समय तक एक गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। आखिरी क्वार्टर में भारत के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने के कई मौके आए, लेकिन टीम इन मौकों को भुनाने में नाकाम रही। हालांकि मैच के 56वें मिनट में जर्मनी ने शानदार वापसी की। जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम पलों में जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका फायदा उठाते हुए जैकब ब्रिला ने मैच के 60वें मिनट में गोल करते हुए जर्मनी की 2-1 से जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय मैचों में इन गेंदबाजों ने लिए सर्वाधिक विकेट

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से (सभी प्रारूप को मिलाकर) सर्वाधिक विकेट लेने वाली महिला गेंदबाज बनीं। उन्होंने पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।

झूलन के नाम 284 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 355 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 12 टेस्ट मैचों में 17.36 की औसत के साथ 44 टेस्ट विकेट लिए। वहीं 204 वनडे में उनके नाम 22.04 की औसत से 255 विकेट दर्ज हैं। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 68 मैचों में 56 विकेट लिए थे। उन्होंने 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

दीप्ति के अब 355 अंतरराष्ट्रीय विकेट हो गए हैं। वह इस समय जारी महिला टी-20 विश्व कप में झूलन को पीछे छोड़ देंगी। उन्होंने 6 टेस्ट में 19.50 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

छत्तीसगढ़ समाचार

23 जून को कैबिनेट

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की साय सरकार के कैबिनेट की बैठक 23 जून को आहूत की गई है। कैबिनेट में मानसून सत्र की तैयारी और आने वाले विधेयकों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही कैबिनेट में चालू खरीफ सीजन ओर मानसून की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा अन्य विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा का मानसून सत्र 13 से 17 जुलाई तक आहूत की गई है। पांच बैठकों के सत्र में राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक लाएगी। इस दौरान अनुपूरक बजट भी लाए जाने की संभावना है।

सऊदी अरब से नागपुर आया छत्तीसगढ़ के 122 हाजियों का पहला जत्था

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हजयात्रा पर गए हजयात्रियों की सऊदी अरब से वतन वापसी प्रारंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने बताया है कि आज राज्य के 122 हाजियों की नागपुर सकुशल वापसी हुई है। हाजियों का पहला जत्था आज नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। श्री बेग ने बताया कि नागपुर एयरपोर्ट पर समस्त हाजियों को 5-5 लीटर मक्का का पवित्र जल 'आबे ज़म-ज़म' प्रदान किया गया। नागपुर एयरपोर्ट पर हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज़ बेग सहित हज कमेटी के अन्य लोगों ने हाजियों का इस्तेकबाल किया और उनकी गुलपोशी की। सऊदी अरब से स्वदेश वापसी पर समस्त हाजियों के चेहरों पर सुकून और खुशी नज़र आई। हाजियों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार द्वारा की गई बेहतर व्यवस्था हेतु आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग, सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना हसन अब्बास, हज कमेटी ऑफिस सहायक सैय्यद सलीम उपस्थित रहे।

हाईटेंशन बिजली टॉवर पर लटका मिला बिजली कर्मचारी का शव, क्षेत्र में सनसनी

बालोद, (आरएनएस)। जिले के गुरुर थाना क्षेत्र के ग्राम बोहारडीही में बिजली विभाग के एक कर्मचारी द्वारा हाईटेंशन बिजली लाइन के टॉवर में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान देवेन्द्र साहू (40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिजली विभाग में नियमित कर्मचारी के तौर पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने कोरबा-दल्लीराजहरा मुख्य विद्युत लाइन के टॉवर पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।स्थानीय लोगों ने जब टॉवर पर शव लटका देखा तो इसकी सूचना तत्काल गुरुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे पारिवारिक क्लेश की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।फिलहाल गुरुर थाना पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है।यह समाचार प्रकाशन शैली में तैयार किया गया है।

कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, चपेट में आने से दो सगे भाईयों की हुई मौत

बिलासपुर,(आरएनएस)। जिले के बेलतरा हाईवे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार कोयला लदा ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और उसकी चपेट में आए बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान संदीप रजक और प्रदीप रजक के रूप में हुई है। दोनों भाई काम खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बेलतरा हाईवे पर सामने चल रहा ट्रेलर चालक के नियंत्रण से बाहर होकर पलट गया। भारी वाहन के नीचे दबने से दोनों भाइयों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेलर के नीचे फंसे दोनों युवकों के शव बाहर निकाले गए। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह ट्रेलर की तेज रफ्तार और चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक ही परिवार के दो कमाऊ बेटों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बच्चा चोरी मामले में जिला अस्पताल की सफाई, सीसीटीवी कैमरे चालू थे, पुलिस को उसी दिन सौंप दी गई फुटेज

जशपुरनगर, (आरएनएस)। बच्चा चोरी प्रकरण में जिला अस्पताल की लापरवाही और सीसीटीवी कैमरे बंद होने की चर्चाओं के बीच अस्पताल प्रबंधन ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि घटना के समय अस्पताल के अधिकांश सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय थे और जांच के लिए आवश्यक फुटेज उसी दिन पुलिस को उपलब्ध करा दी गई थी।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि मातृ एवं शिशु अस्पताल तथा जिला अस्पताल जशपुर में लगे अधिकांश कैमरे सुचारू रूप से कार्य कर रहे थे। केवल कुछ कैमरे तकनीकी कारणों से अस्थायी रूप से बंद थे, जबकि अस्पताल परिसर और महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे अन्य सभी कैमरे चालू स्थिति में थे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 13 जून 2026 को घटना की जांच के दौरान मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर और ओपीडी क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की गई। इसमें संदिग्ध महिला, बच्चे के माता-पिता और परिजनों की गतिविधियों से जुड़े सभी जरूरी कैमरों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध मिली।

प्रबंधन ने बताया कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और आवश्यक दस्तावेज उसी दिन पुलिस को सौंप दिए गए थे, ताकि जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदिग्ध महिला की तलाश के लिए इश्तहार भी जारी किया जा चुका है। अस्पताल प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणाली नियमित रूप से संचालित की जाती है तथा तकनीकी खराबी वाले कैमरों का समय-समय पर सुधार भी कराया जाता है।

क्रेशर वाहनों से वसूली करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पैसा नहीं तो गाड़ी नहीं कहकर करता था गुंडागर्दी

बिलासपुर (आरएनएस)। बिल्हा पुलिस ने क्रेशर संचालकों और ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर बदमाश सत्यप्रकाश उर्फ सत्या उर्फ प्रदीप घृतलहरे (44) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर साथियों के साथ मिलकर मारपीट, धमकी और अवैध उगाही करने का आरोप है।पुलिस के अनुसार, 16 जून को ग्राम पंचायत दुर्गडीह के पास आरोपी अपने भाई और अन्य साथियों के साथ टेंट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों को रोक रहा था। आरोप है कि वह क्रेशर में चलने वाले ट्रकों की रॉयल्टी जांचने के नाम पर चालकों से जबरन पैसे मांगता था। विरोध करने पर ट्रक चालकों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

21 जून को जशपुर में सुबह 7 बजे होगा जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

जशपुरनगर,(आरएनएस)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जशपुर जिला मुख्यालय में सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक विशिष्ट कम्यूनिटी हॉल में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डिप्टी कलेक्टर समीर बड़वा को समस्त कार्यक्रम का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि एसडीएम जशपुर को कानून व्यवस्था, कार्यक्रम की तैयारियां और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ योग पूर्व प्रशिक्षण की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। वहीं जिला आयुष अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग को मंच संचालन, अतिथि आमंत्रण और कार्यक्रम समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने संजय अग्रवाल को छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जेल के दूषित पानी से त्रस्त वार्डवासी, एनएसयूआई ने दी आंदोलन की चेतावनी

धमतरी,(ए.)। नगर निगम क्षेत्र के बठेना वार्ड और सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में सालों बाद भी निकासी व्यवस्था का स्थायी हल नहीं निकल पाया है। हालत यह है कि वर्षा के मौसम में यहां के रहवासियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां के रहवासी समस्या के निराकरण की मांग करते-करते थक चुके हैं। वार्डवासियों ने समस्या के स्थायी निराकरण की मांग की है। शुक्रवार को एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने यहां निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।नगर निगम क्षेत्र के सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में जिला जेल के पीछे रहने वाले वार्डवासी लंबे समय से दूषित पानी, जलभराव और जर्जर नाली व्यवस्था की समस्या से जूझ रहे हैं। जेल परिसर से निकलने वाले गंदे पानी के कारण क्षेत्र में बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। रहवासियों के अनुसार पूर्व में निर्मित नाली की निकासी रेलवे ट्रैक निर्माण के बाद बाधित हो गई, जिसके चलते गंदे पानी के बहाव का रास्ता बंद हो गया है और पानी लगातार जमा हो रहा है। कई बार नगर निगम, महापौर एवं संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। स्थिति इस कदर गंभीर है कि क्षेत्र में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

लोक सेवा केंद्र समय सीमा में नागरिकों को प्रदान करे सेवाएं : कलेक्टर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बेहतर प्रबंधन पर कलेक्टर ने की सराहना

सभी राजस्व कार्यों का समय सीमा में किया जाए निराकरण – कलेक्टर

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने जावर तहसील कार्यालय, लोक सेवा केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जावर नगर परिषद के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं राजस्व कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जावर तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अवैध कब्जा एवं रास्ता विवाद सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की।

उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से छह माह से अधिक लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। कलेक्टर ने तहसील की विभिन्न शाखाओं के कार्यों की भी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लोक सेवा केंद्र जावर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने नागरिकों को समय-सीमा में सभी सेवाएं उपलब्ध कराने तथा आधार केंद्र पर आने वाले लोगों के कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। जावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने एनसीडी कक्ष, जनरल वार्ड, डिलीवरी वार्ड, दवा वितरण कक्ष, फार्मेसी स्टोर तथा पैथोलॉजी कक्ष सहित सभी कक्षों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि सीमित स्टाफ के बावजूद बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय है और इसके लिए समस्त स्वास्थ्य अमला बधाई का पात्र है। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अमित माथुर ने अस्पताल में संचालित सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जावर नगर परिषद जावर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न कार्यों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय नगर पालिका सीएमओ हरीश सोनी के अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज वेद तथा उपाध्यक्ष तेजसिंह कप्तान ने नगर परिषद द्वारा संचालित विकास एवं जनहित कार्यों की जानकारी कलेक्टर को दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नितिन टाले, तहसीलदार ओमप्रकाश चोरमा, तहसीलदार सिद्धांत सिंह सिंगला, लोक सेवा केंद्र प्रभारी सचिन राठौर, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुशवाह, डॉ. भाविका चछलानी, डॉ. मनमोहन वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तहसील चौराहे से ..बा-कलम मनमौजी

मनमौजी का काम नाम अनुरूप है, पढ़ने लिखने का शौकिन, हर खबर घटना पर पैनी नजर और उस पर अपनी बेबाक टिप्पणी जो देश समाज के हित में हो वैसी बात और सोच, यही है मनमौजी।

मुख्य सचिव ने किया भाऊखेड़ी आजीविका पार्क का निरीक्षण

क्षितिज किरण सीहोर

मनमौजी, सरकार कई प्रयास, योजनाएं बनाती है अमल तो सरकारी अमले को करना होता है, कितना होता नहीं होता।।

महंगाई पर लगेगी लगाम, बाजार से घर-गृहस्थी तक राहत की उम्मीद

पत्रिका

मनमौजी, जनता कोई उम्मीद न लगाये, ऐसा कुछ नहीं होने वाला जो दाम गैस, पेट्रोल व अन्य वस्तुओं के बढ़ गये है वह कम होने वाले नहीं है।

प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण और वर्तमान सहित भविष्य की आवश्यकता : कलेक्टर

क्षितिज किरण नर्मदापुरम

मनमौजी, विचार बहुत ही उत्तम है, इसको प्रोत्साह और कार्यरूप में परिणित करने के प्रयास आवश्यक है।

डरावना सच...7 दिन में सड़क के गड्ढों में गिरने से 46 लोगों की हड्डी-पसली टूटी

पत्रिका

मनमौजी, यह आंकड़ा सिर्फ भोपाल का है अगर प्रदेश और देश स्तर पर देखें तो लाखों में होगा जनता रोड टैक्स देती है उसे हर्जाना मिलना चाहिए।

मुआवजे के लिए अड़ी महिला, मौखिक निर्देश पर नहीं मानी तो मुख्यमंत्री ने आवेदन पर ही लिख दिया ऑर्डर

दैनिक भास्कर

मनमौजी, मुख्यमंत्री के आश्वासन और कलेक्टर से कहने के बाद महिला नहीं मानी ये बताता है प्रशासन से जनता का विश्वास उठ गया है।

पटवारियों की पॉवर : 46 में से 24 ने 24 घंटे में पलटवा दिया तबादले का सरकारी आदेश

दैनिक भास्कर

मनमौजी, आज सारे बिल्डर पटवारियों के बिना कुछ नहीं कर सकते और सभी नेता बिल्डरों के भागीदार हैं तो उनकी ताकत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है।

भैरूंदा में बेलगाम रेत माफिया, ग्रामीणों ने रोके अवैध रेत से भरे ट्रेक्टर-ट्राली

क्षितिज किरण सीहोर

मनमौजी, सरकारी अमले का काम जनता को करना पड़ रहा है, क्योंकि वो नहीं कर रहे या मिली भगत है।

7500 मौतें, 162 लाख करोड़ फूंके....तब शांति

दैनिक भास्कर

मनमौजी, काहे की शांति सिर्फ शेयर बाजार को बचाने की पहल है, शेयर मार्केट के माध्यम से दुनियाँ की जनता का पैसा लूटने का प्रोग्राम।

ऐतिहासिक धरोहरों और जल संरचनाओं का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

क्षितिज किरण नर्मदापुरम

मनमौजी, मुख्यमंत्री जी रात दिन नया करने और सार्थक करने के प्रयास में है अमला कितना अमल करता है ये देखने वाली बात है।

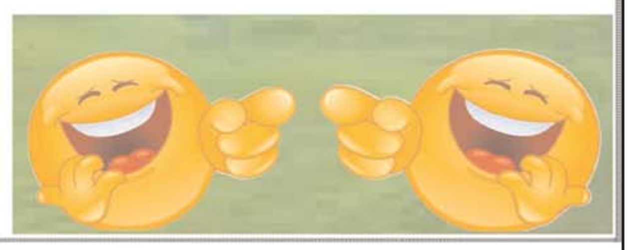

कांग्रेसजनों ने सेवा दिवस के रूप में मनाया कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी का जन्मदिन

पीड़ित मानवता की सेवा करना ही, सबसे बड़ा धर्म है-राजीव गुजराती

सीहोर, (निप्र)। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व जननायक, करोड़ों देशवासियों की आवाज़, सत्य, साहस, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले रायबरेली के सांसद, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में सीहोर जिला चिकित्सायल स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा का परिचय देते हुए जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती सहित अनेकों युवाओं ने रक्तदान कर राहुल गांधी का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया।

इस मौके पर श्री गुजराती ने सभी को राहुल गांधी के जन्मदिन के शुभकामनाऐं देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व जननायक, करोड़ों देशवासियों की आवाज़, सत्य, साहस, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों, वंचितों और आम नागरिकों को नई उम्मीद और शक्ति प्रदान करने वाले।

विपरीत परिस्थितियों में भी जनता की आवाज़ बनकर खड़े रहकर अटूट संकल्प लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने वाले राहुल गांधी के जन्मदिन की आप सबको बधाई। मैं जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सीहोर जिले के नागरिकगणों की ओर से ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए ऊर्जा प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। आप इसी तरह प्रेम, भाईचारे, सौहार्द और न्याय की कांग्रेस की अमर विचारधारा को नई ऊर्जा देते हुए हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें। नफरत के दौर में मोहब्बत का संदेश और सत्ता के अहंकार के सामने जनता की आवाज़ बनकर खड़े रहने का आपका संघर्ष करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा है। राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर उपस्थित कांग्रेसजनों में प्रमुख रूप से प्रीतम दयाल चौरसिया, राजेन्द्र वर्मा, राजाराम बड़े भाई, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, रमेश गुप्ता, सुनील दुबे, रामायण प्रसाद शुक्ला घनश्याम मीणा, के.के.रिछारिया, भगत सिंह तोमर, कमलेश चाण्डक, पंकज शर्मा, गजराज परमार, सर्वेश व्यास, हरिओम सिसोदिया, विक्की विश्वकर्मा, तनिष्क त्यागी, शुभम त्यागी, अनुभव सेन, जितेन्द्र परमार, अरबाज खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

भूमि के लिए भाई भतीजे ने की भतीजी के साथ मारपीट

पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, पर दर्ज नहीं की एफआईआर

सीहोर, (निप्र)। भाई भतीजे ने भूमि के लिए अपनी ही भतीजी को पेट में लात मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मंडी थाना रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे परिजनों को पुलिस ने घंटो तक बैठाए रखा। थाना परिसर में ही घायल भतीजी के शरीर से खून बहने लगा। पुलिस ने गंभीर अवस्था में भतीजी को जिला अस्पताल में भर्ती किया लकिन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर दिया।कृषि भूमि को लेकर गणेश मंदिर के पास स्थित एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद चल रहा है जहां पर खसरा नम्बर की भूमि को छोड़कर जबरदस्ती अन्य निजी भूमि पर डरा धमका कर सड़क बनाई जा रही है। पीड़ित परिवार ने सभी सरकारी दफ्तरों में सबूतों के साथ अर्जी लगाई है। गुरूवार को वृद्धा कमला कुशवाह पति स्व. छोटेलाल कुशवाह और उनकी बेटी सुनीता के साथ जगदीश, सुरेश, गोरधन,राम चंद्र, देवेन्द्र, गेंदा, विजय, संजय, मुकेश आदि ने जमकर मारपीट की और सुनीता के पेट में लात मार दी।कहने को जिले की पुलिस कप्तान महिला है सीएसपी भी महिला है लेकिन महिला पीड़िताओं के प्रति पुलिस का असंवैदनशील रवैया सुधरने का नाम नहीं ले रहा है पुलिस थाना परिसर में ही गुरूवार को मारपीट में घायल महिला तडफ़ती रही पुलिस ने जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कर दिया ।

भेरुंदा पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी का किया खुलासा

01 मोटर साइकिल क़ीमती करीबन 60 हजार बरामद और 01 आरोपी गिरफ्तार

भेरूंदा (संजय कलमोर)। फरियादी राहुल पंवार निवासी सर्वरा कॉलोनी ने रिपोर्ट किया कि दिनांक 23.04.2026 की रात्रि मे अतरालिया मंडी जोड़ से कोई अज्ञात चोर इसकी हीरो होंडा मोटर साइकिल चोरी कर ले गया जिसकी तलाश करने पर नहीं मिलने पर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई जिसकी रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 342/26 धारा 303(2)बीएनएस का पंजीबद्द कर अनुसंधान मे लिया गया। घटना के पश्चात सीहोर पुलिस अधीक्षक श्रीमति सोनाक्षी सक्सेना के द्वारा चोरी गई सम्पत्ति की बरामदगी और अज्ञात चोर की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनिता रावत व एसडीओपी रोशन जैन के मार्गदर्शन प्राप्त कर थाना प्रभारी घनश्याम दांगी भैरूँदा द्वारा उपरोक्त चोरी के अपराध अनुसंधान हेतु टीम गठित की गई थी, टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरा की मदद से संदेही की पहचान की गई और फरियादी और मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही अभिषेक मीणा पिता भगवत सिंह मीणा उम्र 19 साल निवासी ग्राम बिजला को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जिसके द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया एवं आरोपी अभिषेक मीणा के बताएं अनुसार सर्वमंगलम गार्डन के सामने परिसर के पीछे से चोरी गई मोटरसाइकिल हीरोहोंडा डीलक्स M P37M R5547 को विधिवत ज़प्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गयाद्य गिरफ्तारी पश्चात आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया, जेल वारंट मिलने पर आरोपी को जेल दाखिल कराया गया।

मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत चलाया जा रहा जागरुकता रथ

सीहोर, (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत जिले में मलेरिया जन-जागरूकता रथ चलाया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ क्षमा वर्बे ने बताया कि वर्षा ऋतु के प्रारंभ होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इसे नियंत्रित करने के लिए जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लिए एक विशेष माइक्रो-प्लान रूट चार्ट तैयार किया गया है। जागरूकता रथ हर ब्लॉक के सुदूर गांवों तक पहुंचकर लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के प्रति सचेत कर रहा हैं।जागरूकता रथ पर लगे लाउडस्पीकरों, बैनर-पोस्टर और सूचनात्मक पंपलेट के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

मानव अधिकार ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया ट्रामा सेंटर का निरिक्षण

अनियमित्ताओं पर तत्काल सुधार करने की दी चैतावनी

सीहोर(निप्र)। शुक्रवार, 19 जून को मानव अधिकार ट्रस्ट के पदाधिकारियों को शिकायत मिलने पर ट्रामा सेंटर और मेटरनिटी वार्ड का निरिक्षण कर वहाँ भर्ती मरीजों के परिजनों से चर्चा की, जिससे वहाँ विभिन्न समस्याऐं मालूम हुई। डिलेवरी वाली महिलाओं के परिजनों से पैसे की मांग करना और पैसे ना देने पर वहाँ के कर्मचारियों द्वारा मरीज के परिजनों से अभद्र व्यवहार करना। साथ ही जच्चाओं के बेड पर बेडशीट उपलब्ध ना होना। एवं वहाँ की साफ-सफाई पर भी संज्ञान लिया।इसके पश्चात ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा सिविल सर्जन एवं वार्ड इंचार्ज मेडम से चर्चा कर उन्हें सभी समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर उन्होने व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा आठ दिवस पश्चात पुन: निरिक्षण कर व्यवस्थाओं का संज्ञान लिया जावेगा। इस मौके पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों में महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती अरूण पंवार, जिलाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री सोहन वर्मा, उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, सदस्य राजन वर्मा, ब्रजेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान संगोष्ठी आयोजित

सीहोर(निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जनकल्याण अभियान एवं आत्मा योजना के अंतर्गत सीहोर के आरएके कॉलेज में प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय खरीफ कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से अवगत कराना, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के दुष्प्रभावों की जानकारी देना तथा पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही किसानों को खरीफ मौसम में सोयाबीन की उन्नत खेती के लिए रेज्ड बेड फर्रो (Raised Bed Furrow) तकनीक से बुवाई करने के लाभ बताए गए। किसानों को गोबर, गोमूत्र, गुड़ एवं बेसन की सहायता से जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं अन्य जैविक कीट नियंत्रकों को तैयार करने की विधि समझाई गई और जीवमृत के लाभ के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही योजनाओं एवं तकनीकी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष मानसिंह, जितेन्द्र सिंह गौर, डॉ. आई.एस. तोमर, कृषि उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक जी.एस. गाठिये, डॉ. डी.के. पपाती, सहायक संचालक अनिल कुमार जाट, सहायक तकनीकी प्रबंधक सुश्री पल्लवी जैन सहित किसान उपस्थित थे।

प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में संत सम्मान कार्यक्रम

ग्यारस पर किया जाएगा भजन संध्या और फलहारी खिचड़ी का वितरण

सीहोर (निप्र)। सनातन धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है, जिसने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने का संदेश दिया है। सनातन संस्कृति में सभी जीवों के प्रति प्रेम, दया और सम्मान का भाव सिखाया जाता है। आज के दौर में सभी माया के भक्त है, इसलिए भगवान पर भरोसा कम होता है जा रहा है। बच्चों में संस्कारों की कमी के कारण उनका जीवन नर्क होता जा रहा है। उक्त विचार शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर पर एक दिवसीय संत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन को संबोधित करते हुए संत माधवदास महाराज ने कहे। इस मौके पर सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट, संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा, आयुष गुप्ता आदि ने केदरनाथ से शहर में आए साधु स्वरूपनंद गिरी का सम्मान किया। संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने कहाकि आज के समय में व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भाग रहा है, जिसके कारण मानसिक अशांति और तनाव बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में सनातन धर्म के आदर्श और संस्कार जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। भगवान की भक्ति, माता-पिता का सम्मान, गुरुजनों का आदर और समाज सेवा ही सच्चे धर्म के लक्षण हैं। सनातन धर्म किसी के प्रति द्वेष नहीं सिखाता, बल्कि प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देता है।

घुमक्कड़ जनजाति पर भाजपा राज में हो रहे है अत्याचार- सुख सिंह

जाति का प्रमाण नहीं, भूमि का पट्टा नहीं, योजनाओं का लाभ नहीं कांग्रेस विमुक्त घुमक्कड़ जनजाति प्रकोष्ठ की जिला बैठक सम्पन्न

सीहोर। डाक पुलिया गांव में कांग्रेस विमुक्त घुमक्कड़ जनजाति प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। कांग्रेस विमुक्त घुमक्कड़ जनजाति प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष देवी सिंह के निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के मार्गदर्शन में घुमक्कड़ जनजाति प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सुख सिंह के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई।बैठक में घुमक्कड़ अर्ध घुमक्कड़ समाज से जुड़ी अनेक परेशानियों समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। कांग्रेस विमुक्त घुमक्कड़ जनजाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुख सिंह ने भाजपा राज में घुमक्कड़ जनजाति पर बढ़ते अत्याचार को लेकर आक्रोश प्रकट किया। घुमक्कड़ जनजाति के लोगों ने जिलाध्यक्ष का गांव में ढोल बाजों के साथ चल समारोह निकालकर स्वागत किया।कांग्रेस विमुक्त जनजाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुख सिंह ने कहा कांग्रेस ने हमें सरकारी जमीनों पर बसाकर पटटे दिए थे लेकिन अब यह जमीन हम से छीनी जा रही है कांग्रेस ने कांग्रेस घुमक्कड़ जनजाति के लिए अनेक योजनाएं शुरू की थी अब उन योजनाओं का नाम बदल दिया गया है और अनेक प्रकार के कागज लाभ देने के लिए मांगे जा रहे है यह कागज घुमककड़ों के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि घुमक्कड़ जनजाति पर भाजपा राज में अत्याचार हो रहे है। घुमक्कड़ अर्ध घुमक्कड़ के अंतर्गत 52 जातियां है। पुलिस समाज के लोगों की सूरत देखकर बिना अपराध के ही उठा लेती है। हमारा अपराध इतना है की हम गोरे नहीं होते, शिक्षित नही होते,पहने के लिए हमारे पास सही कपड़े नहीं होते। सुख सिंह ने कहा कि ना हमारे समाज के अनेक लोगों के पास जाति प्रमाण पत्र है और ना ही भूमि का पट्टा है योजनाओं का लाभ हमें दिया नहीं जाता है हमारी परंपराओं को मिटाया जा रहा है। हमें सपेरा, घुमेरा, घटटी कटोरा, कालबेलिया, बंजारा, लोहा कोटा जैसे अनेक नामों से अपमानित किया जाता है हम मांग करते है की हमें भी सम्मान से जीने का अधिकार दिया जाए।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बेचैन सिंह, फारूख चौहान, दिनेश राठौड़, छीन बड़ सिंह, दिनिया राठौड़, भागीरथ सिंह, मगन नाथ, राम सिंह, राजनाथ, अंगूरी बाई, छोटी बाई, फूल सिंह, धनेश नाथ, अनीता बाई, लक्ष्मण सिंह, बाबा नाथ, मलका बाई, देव सिंह, शकुंतला बाई,जगदीश नाथ, मुन्नालाल भाटी, पप्पू नाथ, राजू भाटिया, गोपाल भाटिया, पूजा बाई, अशोक भाटिया, चम्पा बाई, अरुण सिंह,धनराज सिंह आदि ग्रामीण कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com